हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 12.07.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 345 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

भारत-न्यूजीलैंड वार्ता: रणनीतिक साझेदारी का एलान, 28 अहम समझौतों पर सहमति

एजेंसी

ऑकलैंड: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देते हुए उन्हें रणनीतिक साझेदारी में बदलने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच हुई शिखर वार्ता के बाद दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, समुद्री सुरक्षा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने पर सहमति जताई।

वार्ता के बाद दोनों देशों ने कुल 28 प्रमुख समझौतों पर सहमति जताई, जिनमें से 10 समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए गए। दोनों नेताओं ने 'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी: 2030 रोडमैप' को अपनाते हुए अगले चार वर्षों में सहयोग को व्यापक बनाने का संकल्प लिया।

दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर लगभग 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके अलावा भारतीय नौसेना और न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच सहयोग बढ़ाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने पर भी सहमति बनी।

संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने

स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा संवाद शुरू करने का भी निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों समुद्री लोकतंत्रों का मजबूत सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को नई दिशा देगा।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा हाल ही में दोनों देशों के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सहमति के बाद हो रही है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने की भारत की प्रगति की सराहना, पहली यात्रा की यादें कीं साझा

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए अपनी पहली भारत यात्रा की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में जब वह पहली बार भारत आए थे, तब उन्होंने यहां गरीबी और अलग आर्थिक परिस्थितियां देखी थीं, लेकिन आज भारत तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है।

ऑकलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में लक्सन ने बताया कि वह करीब 25 वर्ष की उम्र में हिन्दुस्तान यूनिलीवर के साथ काम करते हुए पहली बार भारत आए थे। उन्होंने कहा कि उस समय कई मजदूरों को सिक्कों में वेतन दिया

जाता था, जबकि आज भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत ने उल्लेखनीय बदलाव किया है और आर्थिक विकास के साथ करोड़ों लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

लक्सन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक प्रगति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का मध्यम वर्ग लगातार बढ़ रहा है, जो देश की आर्थिक मजबूती का संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ता सहयोग दोनों देशों के लिए नए अवसर लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया, जहां रक्षा, निवेश और व्यापार समेत कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण समझौते हुए।

एक नजर

ट्रक से टकराई कार एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

जूनागढ़ : गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मजेवड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का एक परिवार अपने रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। रास्ते में उनकी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को पहले नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए जूनागढ़ सिविल अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों में दो की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

लाल किला को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित ऐतिहासिक लाल किला को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस ने पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। इसके बाद धमकी को अफवाह करार दिया गया। पुलिस अब कॉल करने वाले की पहचान और उसके मकसद का पता लगाने में जुटी है।

बाइक-साइकिल की टक्कर में 3 की मौत

खूंटी : झारखंड के खूंटी जिले में शुक्रवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा अड़की थाना क्षेत्र के जेनाडीह गांव के पास सिंदरी-डोरिया मार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने पीछे से साइकिल को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, मोटरसाइकिल पर चालक समेत तीन युवक सवार थे। संतुलन बिगड़ने के कारण बाइक साइकिल से जा टकराई, जिससे चारों सड़क पर गिर गए। हादसे में साइकिल सवार पूर्ण मुंडा (47) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक अमृत पातर (25) और पीछे बैठे आयुष पातर (17) ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घटना में घायल सुनील पातर (25) का रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि चारों डोरिया साप्ताहिक हाट से अपने गांव मानकीडीह लौट रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मोटरसाइकिल पर सवार युवकों ने नशीले पदार्थ का सेवन किया था।

दिल्ली में सांसद सरफराज अहमद से मिले मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नई दिल्ली/रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित आवास पर राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सांसद के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

गौरतलब है कि हाल ही में राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद के घुटने का प्रत्यारोपण (नी रिप्लेसमेंट) हुआ है। मुख्यमंत्री ने उनके स्वास्थ्य लाभ की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए जल्द पूर्णतः स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दीं।

विधायकों का प्रशिक्षण शिविर शुरू उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

एजेंसी

गया : बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड), गया में बिहार विधानसभा के विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने उद्घाटन किया। यह प्रशिक्षण 11 और 12 जुलाई तक चलेगा। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधानसभा के जनप्रतिनिधि तथा कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बिहार विधानसभा की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नव-निर्वाचित और वर्तमान विधायकों को संसदीय कार्यप्रणाली, विधानसभा की नियमावली, विधायी प्रक्रिया तथा जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी संवैधानिक जिम्मेदारियों की जानकारी देना है।

वियतनाम में भारतीय पर्यटकों को ले जा रही नाव पलटी, 15 की मौत

एजेंसी

हनोई : वियतनाम में भारतीय पर्यटकों को लेकर जा रही एक नाव के फु-क्वोक द्वीप के पास पलटने से 15 लोगों की मौत हो गयी है। हादसे में 21 लोगों को बचा लिया गया है। नाव पर 32 भारतीय पर्यटक और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में वियतनाम के अधिकारियों ने कहा कि नाव पलटने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई है। हादसे के वक्त नाव पर 32 भारतीय पर्यटक और चालक दल के 4 सदस्य सवार थे। हादसे में 21 लोगों को बचा लिया गया है, जिनको अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी 15 शवों को बाहर निकाल लिया गया है। भारतीय पर्यटकों में ज्यादातर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के थे। यह नाव हादसा सुबह 10:30 बजे के आसपास हुआ।

हनोई स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक दुखद घटना में कुछ घंटे पहले वियतनाम के फु-क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गई। घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है और स्थानीय अधिकारियों द्वारा खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वियतनाम में एक नाव हादसे में भारतीय नागरिकों की मौत पर दुख व्यक्त किया और कहा कि भारतीय दूतावास हर संभव मदद प्रदान कर रहे हैं।

टीएमसी के 12 और बैंक खाते फ्रीज, 1000 करोड़ पर रोक

कोलकाता : पश्चिम बंगाल पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 12 और बैंक खातों पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही पार्टी के कुल 15 बैंक खाते फ्रीज हो चुके हैं, जिनमें करीब 1,000 करोड़ रुपये जमा होने का अनुमान है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नए फ्रीज किए गए खाते विभिन्न सरकारी और निजी बैंकों में हैं। जांच एजेंसियों ने इन खातों से जुड़े लेनदेन और खाता धारकों की पूरी जानकारी भी मांगी है। एक दिन पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने टीएमसी को एचडीएफसी बैंक के तीन खातों का सीमित उपयोग करने की अनुमति दी थी।

वैशाली में सीएम का हेलीकॉप्टर हवा में डगमगाया, अफरा-तफरी

वैशाली : बिहार के वैशाली में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान भरते ही उनका हेलीकॉप्टर खराब मौसम के बीच हवा में डगमगाने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हेलीकॉप्टर करीब पांच से दस मिनट तक हवा में मंडराता रहा, जिससे कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। हेलीकॉप्टर नीचे की ओर आते ही स्टेडियम में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। अक्षयवट राय स्टेडियम में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल लोगों को सुरक्षित स्थान पर हटाया और पूरे क्षेत्र को खाली कराया। कुछ देर बाद हेलीकॉप्टर ने दोबारा ऊंचाई हासिल की और वहां से रवाना हो गया।

ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी, बोले- '1000 मिसाइलें तैयार'

एजेंसी

वॉशिंगटन : अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने दावा किया कि यदि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई तो अमेरिका ऐसा जवाब देगा, जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। उन्होंने कहा कि 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान में पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के खिलाफ पोस्टर और नारे लगाए। कई पोस्टरों में अमेरिकी राष्ट्रपति समेत अन्य शीर्ष नेताओं

की तस्वीरों को निशाना बनाकर प्रदर्शित किया गया था। इसी घटनाक्रम के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर ईरान को लेकर कड़ा संदेश जारी किया।

ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका पूरी तरह तैयार है और यदि ईरान ने कोई उकसावे वाली कार्रवाई की तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने दावा किया कि अतिरिक्त मिसाइलें भी तैयार रखी गई हैं और अमेरिकी सेना हर स्थिति से निपटने में सक्षम है।

बेटे ने खाई खामेनेई की मौत का बदला लेने की कसम

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता और पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि शहीद नेताओं और युद्ध में मारे गए लोगों के खून का हिसाब लिया जाएगा। टेलीग्राम पर जारी संदेश में मोजतबा खामेनेई ने कहा कि उनके पिता और अन्य शहीदों की मौत का बदला लेना देश की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, हम शहीद नेता और दोनों युद्धों में मारे गए सभी लोगों के खून का बदला अपराधियों से लेने का वादा करते हैं।

अतिक्रमण नोटिस के विरोध में ग्रामीणों ने सौंपा आवेदन, निष्पक्ष जांच की मांग

50 से अधिक ग्रामीणों ने सीओ के नाम दिया ज्ञापन, कार्रवाई पर रोक लगाने की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड की जवनपुर पंचायत अंतर्गत जवनपुर गांव में अतिक्रमण हटाने को लेकर जारी नोटिस के विरोध में ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष रखा। शनिवार को 50 से अधिक ग्रामीणों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन अंचल अधिकारी संजय यादव के नाम सौंपते हुए अतिक्रमण वाद संख्या-01/2026-27 के तहत प्रस्तावित कार्रवाई पर रोक लगाने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ग्रामीणों ने आवेदन में कहा कि भूखंड संख्या 332 एवं 334 पर अतिक्रमण की शिकायत किसी एक व्यक्ति ने आपसी रंजिश के कारण की है।उनका कहना है कि संबंधित लोगों ने अपने घरों के सामने बरसात के दौरान पानी से दीवारों की सुरक्षा के लिए केवल अस्थायी व्यवस्था की है। इससे न तो आम लोगों के आवागमन में कोई बाधा उत्पन्न हो रही है और न ही किसी सरकारी कार्य में व्यवधान पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, कुछ दिनों पूर्व प्रशासन की ओर से तीन दर्जन से अधिक लोगों को अतिक्रमण के आरोप में नोटिस जारी कर उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया था। इसके बाद गांव में बैठक कर सर्वसम्मति से प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में अंचल अधिकारी के नाम आवेदन अंचल निरीक्षक (सीआई) शशि कुमार को सौंपा गया। आवेदन में संबंधित लोगों के विरुद्ध किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं करने तथा मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। आवेदन सौंपने वालों में डब्ल्यू अंसारी, भुवनेश्वर प्रजापति, नकुल प्रसाद, ज्याउल रहमान, सोहराब अली समेत 50 से अधिक ग्रामीण शामिल थे। इस मौके पर पूर्व पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्ल्यू अंसारी ने कहा कि यदि प्रशासन अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रहा है तो कार्रवाई सभी अतिक्रमणकारियों पर समान रूप से होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि केवल कुछ लोगों पर कार्रवाई होगी तो यह उचित नहीं है। चतरा मोड़ से लेकर चौपारण सीमा तक जहां-जहां सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है, वहां भी समान रूप से कार्रवाई की जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितता का आरोप, आरटीआई के तहत जांच की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत सिरसा पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के चयन एवं क्रियान्वयन में कथित अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर आर. टी.आई के तहद प्रखंड कार्यालय में आवेदन दिया। जेएलकेएम जिला सचिव सरजु महतो ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों के चयन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, संपन्न परिवार लोगों को लाभ देने तथा गरीब परिवारों को वंचित रखने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। सरजु महतो आरोप है कि दललो बिचोलियों एवं पंचायत सचिव मिलीभगत से लाभुक सूची में हेरफेर किया गया। शिकायत में कहा गया है कि एक ही परिवार के दो से तीन सदस्यों के नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ स्वीकृत कराया गया। जिनका लाभुक का अबुवा आवास में नाम है उसका प्रधानमंत्री आवास योजना में भी नाम है। जबकि कई जरूरतमंद परिवार आज भी योजना से वंचित हैं। आवेदन आर. टी.आई के तहद जांच की मांग की। तकी जरूरत मंद लोगों को योजना का लाभ मिल सके।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल से 'नन्हा सा दिल अभियान' का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की समय पर पहचान और निःशुल्क उपचार के लिए शनिवार को बरही अनुमंडलीय अस्पताल से "नन्हा सा दिल अभियान" की शुरूआत की गई। अभियान की शुरूआत जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, प्रमुख मनोज कुमार रजक, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति एवं डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता सह जांच वाहन को रवाना किया गया। पहले दिन 521 बच्चों की स्क्रीनिंग डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सीसीएल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत 0 वर्ष से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का जांच किया जाएगा। प्रथम दिन में विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में कुल 521 बच्चों की जन्मजात हृदय रोग (CHD) की स्क्रीनिंग की गई। जांच के दौरान 7 बच्चे संदिग्ध पाए गए, जिन्हें आगे की विस्तृत जांच (ईको) एवं आवश्यक उपचार के लिए चिन्हित किया गया है। डॉ ज्ञानी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें निःशुल्क विशेषज्ञ जांच एवं उपचार उपलब्ध कराना है। 'नन्हा सा दिल अभियान' के माध्यम से जिले के अधिक से अधिक बच्चों तक हृदय जांच की सुविधा पहुंचाई जा रही है, ताकि प्रत्येक बच्चे को स्वस्थ जीवन का अवसर मिल सके। चिन्हित बच्चों का निःशुल्क इलाज की व्यवस्था है। मौके पर डॉ एजाज, सिकंदर पंडित अस्पताल कर्मी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रकाशित खबरों के बाद जागा विभाग व जनप्रतिनिधि

मदनपुर-केंदुआ जर्जर सड़क की हुई मापी, निर्माण की जगी उम्मीद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के डपोक पंचायत अंतर्गत मदनपुर गांव से केंदुआ गांव तक सड़क का जर्जर हालत को कई समाचार पत्रों के माध्यम से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। सड़क के जर्जर हालत को समाचार पत्रों के प्रमुखता से प्रकाशित करने के बाद सम्बंधित विभाग व जनप्रतिनिधिय हरकत आए।इस दिशा में शनिवार को सम्बंधित विभाग के जेई ने मदनपुर गांव से लेकर केंदुआ गांव तक जाने वाली 2 किलोमीटर जर्जर सड़क का मापी किया गया।जेई द्वारा सड़क के मापी करने पर गांव का सड़क निर्माण कार्य का आस जगा।मापी के दौरान मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण भी मौजूद रहे। मौके पर डपोक पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन दास, वार्ड सदस्य उमेश रविदास, वार्ड सदस्य संतोष यादव तथा वार्ड सदस्य कुंजबिहारी चंद्रवंशी उपस्थित रहे।इस दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने की मांग करते हुए कहा कि इस सड़क के बनने से विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों सहित आसपास के ग्रामीणों को बरसात के दिनों में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में सड़क कच्ची होने के कारण बारिश के समय कीचड़ और जलजमाव से आवागमन काफी प्रभावित रहता है। सड़क निर्माण होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी तथा लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी।

'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन' पर कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड में सरकार के द्वारा बड़कागांव प्रखंड में विकास की गति देने के लिए बड़कागांव प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल के द्वारा प्रखंड मुख्यालय सभागार भवन में विकसित भारत गारंटी फोर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन को लेकर कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। योजना में बीडीओ ने सभी कर्मियों को विशेष हिदायत देते हुए कहा गया कि योजना में कोई भी लापरवाही नहीं बरते ,अन्यथा कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विकास योजना को 4 कैटेगरी में बांटा गया है। जिसमें सबसे पहले जल संरक्षण से संबंधित 107 योजना, दूसरा रूलर इंफ्रास्ट्रक्चर 90 योजना, तीसरा लाइवलीहुड 86 योजना एवं चौथा आपदा प्रबंधन से संबंधित 35 योजना संचालित होगा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अरुण कुमार पासवान, हीरा महतो, सहायक अभियंता ओम प्रकाश, कनीय अभियंता रवि रंजन,ऑपरेटर अमर कुमार, आनंद कुमार के अलावा प्रखंड के तमाम पंचायत सेवक एवं सभी रोजगार सेवक शामिल थे।

धान का बिचड़ा तैयार करने के लिए अभी भी एक डेढ़ महीना का समय है : कृषि पदाधिकारी

प्रत्यूष नव बिहार बड़कागांव

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड में मौसम की बेरुखी से किसानों के ऊपर जोरदार मार पड़ रही है। किसान धान की बिचड़ा तैयार करने के लिए एक जोरदार बारिश की जरूरत है। खेतों में बिचड़ा तैयार करने के लिए पानी की आवश्यकता है, परंतु जिस अनुपात में बारिश होनी चाहिए वह अब तक नहीं हो पाया है। प्रखंड में बारिश की स्थिति पर नजर डाले तो 15 जून से लेकर 11 जुलाई तक अब तक 26 दिनों में मात्र 96.8 एमएम बारिश हुई है। जबकि बिचड़ा तैयार करने के लिए कम से कम 300 एमएम बारिश की आवश्यकता पड़ती है। वहीं पूर्ण रूप से धान तैयार होने के लिए, कम से कम 1500 से लेकर 1600 एमएम बारिश की अति आवश्यकता पड़ती है। बारिश की जो स्थिति फिलहाल बनी हुई है ,यही स्थिति आगे भी बनी रही तो, क्षेत्र में आकाल की संभावनाएं बढ़ जाएगी। बारिश की दैयनीय स्थिति होने के बावजूद बिचड़ा तैयार करने के लिए किसान जदोजहद कर रहे हैं, ताकि समय पर धान की रोपाई हो सके। प्रखंड मुख्यालय में अब तक नहीं आया है धान का बीज

सरकार के द्वारा निशुल्क धान बीज वितरण प्रतिवर्ष किया जाता है। बड़कागांव में कृषि विभाग के द्वारा इस वर्ष 2026 में 6200 हेक्टेयर खेतों में प्रत्यक्षण के लिए, लक्ष्य निर्धारित किया गया है और प्रखंड कृषि विभाग की ओर से ,हजारीबाग कृषि विभाग कार्यालय को, लेटर भेज कर 1800 क्विंटल धान बीज की मांग की गई है। परंतु अब तक सरकार के द्वारा किसानों के लिए धान बीज उपलब्ध नहीं हो पाया है।जिससे किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है, बेचैनी देखी जा रही है। बताते चलें कि उन्नत किस्म की धान की खेती के लिए 15 अगस्त तक धान का बिचड़ा तैयार कर लेना अत्यंत जरूरी माना जाता है।

बीज आते ही किसानों के बीच वितरण किया जाएगा : कृषि पदाधिकारी

कृषि पदाधिकारी भास्कर राज से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि जैसे ही, धान का बीज उपलब्ध हो जाएगा, किसानों के बीच बीज वितरण कर दिया जाएगा । इस वर्ष 2026 में 6200 हेक्टेयर खेत में प्रत्यक्षण के लिए 1800 क्विंटल धान बीज मांग की गई। बिचड़ा तैयार करने के लिए अभी भी एक डेढ़ महीना का समय है।

बारिश नहीं होने के कारण परती पड़े हैं खेत, प्रखंड में 1800 क्विंटल धान बीज आएगा, किसान कर रहे हैं

एक नजर

स्कॉर्पियो खजूर पेड़ से टकराया कई लोग घायल

बड़कागांव : हजारीबाग से केरेडारी जा रहा स्कॉर्पियो बड़कागांव प्रखंड स्थित पंकरी बरवाडीह भोक्ता स्थान के पास एक खजूर पेड़ से जा टकराया है। स्कार्पियो गाड़ी ने खजूर पेड़ से टकराने के कारण स्कॉर्पियो में सवार कई लोग घायल हो गए हैं। घटना में स्कॉर्पियो को भारी नुकसान हुआ है। जिसमें कई गंभीर रूप से घायल हुए । घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कागांव ले जाया गया । स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि घटना में तीन से चार लोग घायल हुए हैं। सभी को अस्पताल ले जाया गया है। घटना में घायल लोग को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

एनजीटी नियमों की अवहेलना पर कार्रवाई बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

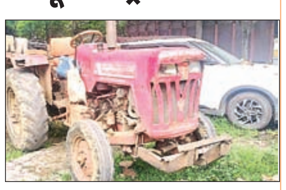

चौपारण : अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ चौपारण पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जीटी रोड स्थित महुदी के समीप से बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सक्रिय अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना मिलने पर चौपारण थाना पुलिस ने महुदी के पास वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान अवैध रूप से बालू का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर को रोककर उसकी जांच की गई। जांच में परिवहन अवैध पाए जाने पर पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर थाना परिसर लाया, जहां उसके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि एनजीटी के निर्देशों का उल्लंघन कर अवैध बालू खनन एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नर्सिंग होम में बच्चेदानी के ऑपरेशन के बाद महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

हजारीबाग : हजारीबाग के नवाबगंज स्थित जीवन ज्योति नर्सिंग होम में बच्चेदानी के ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत हो जाने के बाद परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

मृतका की पहचान सुशीला देवी पति किशोरी भुइयां, निवासी तिलैडीह, पदमा, हजारीबाग के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत हो गई और उन्हें कोई रेफर सर्टिफिकेट भी नहीं दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बन गया। परिजनों ने न्याय और मुआवजे की मांग की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार बाद में परिजनों और अस्पताल प्रबंधन के बीच समझौता हो गया जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन डॉ रोशन कुमार द्वारा किया गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

करियातपुर उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक, जिप उपाध्यक्ष ने कक्षाओं का किया निरीक्षण

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत करियातपुर स्थित उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव उपस्थित हुए। बैठक का उद्देश्य विद्यालय के विकास, पठन-पाठन के स्तर को बेहतर बनाना और छात्र-छात्राओं की समस्याओं का समाधान निकालना था। जिप उपाध्यक्ष ने बैठक से पहले विद्यालय की सभी कक्षाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ब्लैकबोर्ड से लेकर बच्चों की कॉपियों तक जांच की और बच्चों से सीधे बातचीत कर उनके पठन-पाठन और सामान्य ज्ञान की जानकारी ली। बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने उन्हें कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। संवाद के दौरान उन्होंने स्कूल में मिल रही सुविधाओं और मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली। शिक्षा के लिए शिक्षक-अभिभावक का तालमेल जरूरी बैठक को संबोधित करते हुए किशुन यादव ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए शिक्षक और अभिभावक दोनों का तालमेल होना बेहद जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की पढ़ाई के प्रति जागरूक रहें और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। साथ ही उन्होंने विद्यालय की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जताई। बैठक में प्रधानाध्यापक सहित सभी शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति की रिपोर्ट साझा की, वहीं अभिभावकों ने विद्यालय के विकास के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक के अंत में सभी ने विद्यालय को एक आदर्श संस्थान बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्त गिरफ्तार

हजारीबाग : पदमा पुलिस के द्वारा दो अलग-अलग मामलों में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल। पदमा थाना ओ. पी प्रभारी संचित दुबे ने बताया कि पहला थाना कांड संख्या 198/26 (दिनांक 15/06/2026) पोक्सो एक्ट के तहत जूल जूलाल राय , पिता-बसारत राय, उम्र - (करीब 30 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया और वहीं दुसरा थाना कांड संख्या 223/26 (दिनांक 28/06/2026) में मो0 अलीमुल हकीम वारसी उर्फ लड्डू वारसी (उम्र करीब 45 वर्ष),पिता -युनुस वारसी को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत और इससे जुड़ी दोनों को सुसंगत धाराओं में भेजा गया जेल। दोनों गांव -घियाही, प्रखंड-पदमा के ही निवासी हैं।

आंगनबाड़ी में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण गहन कार्य जोरों पर

बड़कागांव : चेपाखुर्द में एस आई आर के तहत आंगनबाड़ी केंद्र में विशेष मतदाता सूची गहण पुनरीक्षण कार्य जोरों पर की जा रही है। बीएलओ संगीता देवी, सहायक शिक्षक शीमा कुमारी के द्वारा डोर टू डोर गणना प्रपत्र का वितरण किया जा रहा है। एवं गणना प्रपत्र को भरकर ऑनलाइन का कार्य किया जा रहा है। उक्त विशेष कार्य को लेकर बड़कागांव सीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह सीओ मनोज कुमार ने बताया कि गणना प्रपत्र की 29 जुलाई तक ऑनलाइन किया जाएगा। कई चरणों में एसआईआर के तहत विशेष मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य 7 अक्टूबर तक चलेगा। बड़कागांव प्रखंड में अब तक 90% गणना प्रपत्र का वितरण एवं 35% भरी गई प्रपत्र का ऑनलाइन हुआ है।

दैनिक भास्कर की पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत बालिका उच्च विद्यालय में किया गया पौधरोपण

बड़कागांव : पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत दैनिक भास्कर के द्वारा बालिका उच्च विद्यालय के परिसर में पौधा रोपण का कार्यक्रम किया गया। पौधा रोपण कार्यक्रम की शुरूआत दैनिक भास्कर खबर के पत्रकार दीपक सिंहा और विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो एवं वरिष्ट शिक्षिका विमला कुमारी के द्वारा किया गया। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ने बताया कि हम सभी लोगों को अधिक से अधिक मात्रा में पेड़ पौधे लगाने चाहिए क्योंकि पेड़ पौधे से हम लोगों को जीवित रहने के लिए शुद्ध वायु के साथ-साथ फल फूल एवं अन्य उपयोगी वस्तुएं प्राप्त होती है। साथ ही उन्होंने बताया कि अभी वर्तमान समय में अंधाधुंध पेड़ों की कटाई होने से वातावरण में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। जैसे की आवश्यकता से अधिक वातावरण गर्म हो जा रहा है तथा समय पर बारिश नहीं हो रही है। यह सभी पेड़ पौधे की कटाई का दुष्परिणाम है। वहीं वरिष्ठ शिक्षिका विमला कुमारी ने कहा कि वातावरण को शुद्ध बनाए रखने के लिए प्रत्येक मनुष्य को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और यदि कोई व्यक्ति एक पेड़ काटना चाहे तो उसके पहले उसे 10 पेड़ लगाना लगाना चाहिए जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहे। मौके पर दैनिक भास्कर खबर के पत्रकार दीपक सिंहा, प्रधानाध्यापक राम लखन महतो ,वरिष्ट शिक्षिका विमला कुमारी ,अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी ,कुलदीप कुमार ,शंकर महतो ,शंकर राणा ,मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी, अमित सिंह अर्जुन सिंह एवं बालिकाएं उपस्थित थे।

एक नजर

भगत सिंह चौक पर बिजली पोल में लगी आग, 10 दुकानों की बिजली गुल

मुरी : मुरी शनिवार की दोपहर करीब चार बजे मुरी के भगत सिंह चौक के समीप स्थित एक बिजली पोल में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास की दुकानों में अफरा-तफरी मच गई और लोग सुरक्षा की दृष्टि से अपनी-अपनी दुकानों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका। आग की चपेट में आने से करीब 10 दुकानों को बिजली आपूर्ति करने वाले तार जल गए। वहीं 220 वोल्ट का सर्विस तार जलकर जमीन पर गिर गया, जिससे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई घटना की सूचना दुकानदारों ने तुरंत बिजली विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि समाचार लिखे जाने तक क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी थी। घटना से दुकानदारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटा है।

राम मंदिर दान मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच : मानिक राव ठाकरे

रांची : कांग्रेस के गोवा, दमन एवं दादरा एवं नगर हवेली के प्रभारी तथा पूर्व मंत्री मानिक राव ठाकरे ने राम मंदिर दान मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूरे मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि एसआईटी रिपोर्ट में गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख होने के बावजूद अब तक जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय नहीं की गई है। शनिवार को रांची स्थित कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के बाद भी सरकार की ओर से इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई या आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई, तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा को इस्तीफा क्यों देना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे ट्रस्ट पर सवाल उठने के बावजूद कार्रवाई केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित रखी गई है। इससे यह आशंका पैदा होती है कि प्रभावशाली लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

लायंस ईस्ट क्लब ने जरूरतमंदों के बीच वितरित की खिचड़ी

रांची: लायन्स इंटरनेशनल के 'फूड फॉर हंगर' कार्यक्रम के तहत शनिवार को लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट की ओर से अल्बर्ट एक्का चौक स्थित लायंस ईस्ट प्याऊ सेंटर में खिचड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग 450 जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा समाज सेवा की भावना को बढ़ावा देना रहा। क्लब के सदस्यों ने स्वयं उपस्थित होकर भोजन वितरण में सक्रिय भूमिका निभाई और लोगों को व्यवस्थित तरीके से खिचड़ी वितरित की। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष लायन रतन लाल अग्रवाल, सचिव लायन राम कृष्ण, कोषाध्यक्ष लायन संतोष अग्रवाल, लायन हर्षवर्धन जालान, लायन आशीष खेमका, लायन प्रेम शंकर, लायन रोहित जायसवाल सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपना सहयोग दिया।

जनसंख्या नहीं, जनशक्ति बने झारखंड की पहचान : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनसंख्या किसी भी राज्य के लिए बोझ नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी पूंजी और जनशक्ति होती है। झारखंड की पहचान जनसंख्या नहीं, बल्कि जनशक्ति के रूप में स्थापित होनी चाहिए। पर जनसंख्या तभी राज्य की वास्तविक शक्ति बन सकती है, जब प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, शिक्षित, कुशल और आत्मनिर्भर हो। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार जनस्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने घोषणा की कि राज्य के सभी जिलों में गर्भवती महिलाओं

और नवजात शिशुओं के लिए अत्याधुनिक मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इस अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल, महिलाओं के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं तथा अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी और महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। डॉ. अंसारी ने कहा कि झारखंड एक युवा राज्य है और यहां की युवा आबादी राज्य के विकास की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवाओं को बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो राज्य विकास के नए आयाम स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। इरफान अंसारी ने कहा कि परिवार कल्याण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार को स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध बनाना है। इसके लिए, जनजागरूकता बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा परिवार नियोजन संबंधी सुविधाओं का विस्तार करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को उसके जिले के निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान जनसंख्या स्थिरीकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों से परिवार नियोजन अपनाने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, सहिया बहनें तथा विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रंगदारी के लिए फायरिंग मामले में तीन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रंगदारी की मांग को लेकर बस चालक पर फायरिंग करने के मामले में तीन आरोपितों को राहत नहीं मिली है। अपर न्यायायुक्त की अदालत ने नीतीश पाण्डेय, गोलू बाल्मीकि और अभिजीत कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला 12 मई का है। नो-एंट्री के कारण जीवन ज्योति बस अरगोड़ा चौक स्थित यात्री शेड के पास खड़ी थी। इसी दौरान रात करीब 10 बजे दो युवक बस में घुस गए और चालक के सिर पर रिवॉल्वर सटाकर रंगदारी की मांग करने लगे। आरोपित चालक की जेब से जबरन रुपये निकालने लगे। विरोध करने पर उन्होंने चालक पर गोली चला दी। हालांकि चालक ने समय रहते सिर झुका लिया, जिससे वह बाल-बाल बच गया। गोली चलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपित भागने लगे। पीछा करने के दौरान पुलिस ने एक आरोपित को मौके से गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य फरार होने में सफल रहे। बाद में उनकी भी गिरफ्तारी हुई। घटना के संबंध में बस चालक के बयान पर अरगोड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने तीनों आरोपितों की जमानत याचिका खारिज कर दी।

रांची विश्वविद्यालय प्रशासनिक परिसर में मनाया गया 'कला दिवस'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के 67 वें स्थापना दिवस समारोह का दूसरा दिन शनिवार को शहीद चौक स्थित प्रशासनिक भवन में कला दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट विभाग और एनएसएस के छात्रों बुलबुल, एकता, मौसमी, तुषार, प्राची ने शिक्षक विवेक दास के निर्देशन में विश्वविद्यालय के दीवारों पर झारखंड की पहचान खुबसूरत सोहराई पेंटिंग बनाई। इस अवसर पर कुलपति प्रो सरोज शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का संरक्षक भी है और सोहराई जैसी लोक कलाओं को संस्थागत मंच प्रदान करना समय की मांग है। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर की दीवारें अब झारखंड की माटी की सुगंध और सोहराई कला के रंगों से

सजीव होंगी, जो प्रकृति, फसल एवं जीवन के अटूट बंधन का प्रतीक हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ सुदेश कुमार साहु, ने छात्रों को सोहराई पेंटिंग के बारे में जानकारी दी और कहा कि झारखंड के ग्रामीण इलाकों में मृच्छकटिक कच्चे मकानों के दीवारों पर यह सुंदर पेंटिंग की जाती है। इस पेंटिंग को अपनी विशिष्टता के कारण जिओ टैग भी प्राप्त है। इसके लिये प्राकृतिक सामग्रियों जैसे कोयला, चूना, लाल और पीली मिट्टी गोंद से बनाये रंगों का उपयोग किया जाता है। इसमें पशु-पक्षियों, वृक्षों और जानवरों की आकृतियां बनायी जाती हैं। घर की दीवार पर सोहराई पेंटिंग समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। विश्वविद्यालय में कला दिवस पर सभी वरीय पदाधिकारी, कर्मी सहित कई विभागों के प्राध्यापक उपस्थित थे। सबों ने सोहराई पेंटिंग के छात्र कलाकारों की सराहना की और रांची विश्वविद्यालय की चारदीवारी को पेंटिंग से सजाने और राज्य की इस पारंपरिक चित्रकारी कला को जीवंत रखने के लिये आभार जताया।

झारखंड में 13 और 14 जुलाई को बारिश के आसार, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य की राजधानी रांची समेत अधिकांश जिलों में 13 और 14 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इसके साथ ही 12 से 14 जुलाई के बीच राज्य के विभिन्न हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए विभाग ने संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, 12 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। वहीं 13 जुलाई को उत्तर-पूर्वी, मध्यवर्ती तथा दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की

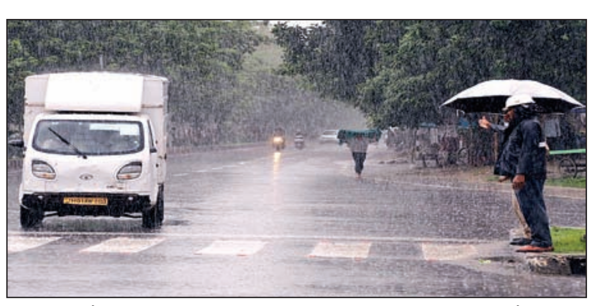

संभावना है। इसके अलावा 14 जुलाई को उत्तर-पूर्वी और उससे सटे मध्यवर्ती जिलों में भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। विभाग ने लोगों से मौसम की स्थिति को देखते हुए आवश्यक सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग के अनुसार, जुलाई महीने में मानसून के दोबारा सक्रिय होने से राजधानी रांची सहित राज्य के लगभग सभी जिलों में लगातार कमोबेश बारिश हो रही है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को उमस से राहत मिली है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 94.2 मिलीमीटर वर्षा जामताड़ा डीवीसी क्षेत्र में रिकॉर्ड की गई। इसी अवधि में राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड हुआ।

ऊर्जा निगम में कर्मियों की सुरक्षा भगवान भरोसे : अजय राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के अध्यक्ष अजय राय ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्ड में कार्यरत मानव दिवस एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि श्रमिकों की जान भगवान भरोसे है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद विभाग और संबंधित एजेंसियां सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर नहीं हैं। शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में अजय राय ने कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न सप्लाई एरिया बोर्डों में आधा दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन हादसों में कई कर्मियों की मौत हुई है, जबकि अनेक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद मृतक और घायल कर्मियों के परिजनों को समय पर मुआवजा, आर्थिक सहायता तथा अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध नहीं कराया गया, जो विभाग और संबंधित एजेंसियों की संवेदनहीनता को दर्शाता है। अजय राय ने कहा कि यदि सभी कर्मियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सेफ्टी किट उपलब्ध कराई जाती, नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाता और कार्यस्थलों पर सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाता, तो कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता था। बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्था के श्रमिकों से कार्य कराना उनके जीवन को जोखिम में डालने के समान है। अजय राय ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने वाले मानव दिवस और आउटसोर्सिंग कर्मी कठिन एवं जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देते हैं।

रांची नगर निगम परिषद की बैठक में 25 विकास प्रस्तावों पर चर्चा

पायलट सिटी बनाने और पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की उठी मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम परिषद की बैठक में शनिवार को शहर के विकास, आधारभूत सुविधाओं और जनसुरक्षा से जुड़े 25 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक सीपी सिंह, महापौर रौशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार तथा नगर निगम के सभी 53 वार्डों के पार्षद उपस्थित रहे। जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने सुझाव रखे और शहर के समग्र विकास पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद एवं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि शहर का विकास योजनाबद्ध, वैज्ञानिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप किया जा सके। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए दीर्घकालिक विकास योजना तैयार करना समय की मांग है। संजय सेठ ने नगर निगम के सभी वार्डों में ओपन जिम स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में ओपन जिम बनने से लोगों, विशेषकर युवाओं और बुजुर्गों को अपने क्षेत्र में ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा फिट इंडिया अभियान को भी बढ़ावा मिलेगा। संजय सेठ ने कहा कि रांची की बढ़ती आबादी के साथ लूट, चोरी और डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने की आवश्यकता है।

उनका कहना था कि इस व्यवस्था से अपराध नियंत्रण में तेजी आएगी और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सकेगा। बैठक में राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से राज्य का बकाया भुगतान समय पर नहीं किए जाने के कारण कई विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य को समय पर उसकी देय राशि उपलब्ध कराई जाए तो नगर विकास सहित विभिन्न परियोजनाओं को और गति मिल सकेगी तथा आम लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। महुआ माजी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि बरसात के मौसम में मच्छरजनित रोगों का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन इसके बावजूद शहर के कई इलाकों में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने निगम प्रशासन से इस दिशा में तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम की जा सके। बैठक के दौरान पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्डों से जुड़े विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, जलनिकासी, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित मुद्दे उठाए। इन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद निगम प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर के समग्र विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार और बेहतर शहरी प्रबंधन को लेकर सभी जनप्रतिनिधियों ने समन्वय के साथ कार्य करने पर बल दिया। जनप्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि परिषद की बैठक में उठाए गए प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई होने से रांची के विकास को नई गति मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांगता बाधा नहीं, अवसर की कमी सबसे बड़ी चुनौती है : डॉ. मयंक मुरारी

रांची : टाटी पूर्वी गांव के निवासी आकाश कुमार की संघर्ष और आत्मनिर्भरता की कहानी आज कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गई है। आकाश और उनकी पत्नी दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। परिवार में उनके माता-पिता, पत्नी और एक बेटा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से होने के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए कबाड़ संग्रह का कार्य शुरू किया। शुरुआत में आकाश हाथ से चलने वाली मैनुअल ट्राइसाइकिल से घर-घर जाकर कबाड़ एकत्रित करते थे। शारीरिक कठिनाइयों के कारण उन्हें लंबी दूरी तय करने में काफी परेशानी होती थी, जिससे उनकी आय भी सीमित थी। इसी दौरान उषा मार्टिन फाउंडेशन के एक फील्ड सुपरवाइजर की नजर आकाश के संघर्ष पर पड़ी। उनकी स्थिति को देखते हुए फाउंडेशन के माध्यम से बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराने की पहल की गई। आवेदन स्वीकृत होने के बाद उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा आकाश को बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने के बाद आकाश का जीवन पूरी तरह बदल गया। अब वे आसानी से दूर-दूर तक जाकर घर-घर से कबाड़ एकत्र करते हैं। पहले की तुलना में कम समय में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच पाते हैं, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। आज वे सम्मानपूर्वक अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं और आत्मनिर्भर जीवन जी रहे हैं। आकाश कुमार कहते हैं, रुपहले मैनुअल ट्राइसाइकिल से काम करना बहुत कठिन था। बैटरी वाली ट्राइसाइकिल मिलने के बाद मेरा काम काफी आसान हो गया है। अब मैं ज्यादा जगहों तक पहुंचकर अधिक काम कर पाता हूं और अपने परिवार का बेहतर तरीके से पालन-पोषण कर रहा हूं। इसके लिए मैं उषा मार्टिन फाउंडेशन का दिल से आभारी हूं। उषा मार्टिन फाउंडेशन के सचिव डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सहायक उपकरण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आकाश कुमार की सफलता इस बात का उदाहरण है कि सही समय पर मिला सहयोग किसी व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव ला सकता है। फाउंडेशन आगे भी जरूरतमंद दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीबीआई अधिकारी बनकर ठगी करने वाला युवक मुरी स्टेशन से गिरफ्तार

मुरी : रेलवे सुरक्षा बल मुरी के द्वारा एक अनजान व्यक्ति जो खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर रेलवे स्टेशन के समीप स्थित एक होटल के मालिक को डरा धमकाकर बेइमानी से 1100 रुपया ठग लिया,जिसे शिकायतकर्ता और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर रेलवे स्टेशन परिसर के प्लेटफार्म संख्या दो से ऑपरेशन रक्षक के तहत गहन तलाशी अभियान चला कर धर दबोचा। पुलिस के द्वारा लगातार पूछताछ के दौरान उक्त व्यक्ति ने अपनी पहचान कृष्ण देव आनंद (23), पिता दिलीप कुमार भैया, ग्राम तुलसीटांड़, थाना करोन, जिला देवघर (झारखंड) बताया। पुलिस द्वारा आरोपी का मोबाइल की जांच करने पर पता चला कि वह पूर्व में भी अन्य लोगों के साथ इसी तरह से धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल रहा है। पकड़े गए व्यक्ति को आगे की कार्रवाई करने हेतु राजकीय रेल थाना मुरी को कागजी कार्रवाई पूरी कर सौंपा गया,जहां मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस तलाशी अभियान में रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट कमांडर संजीव कुमार, अवर निरीक्षक रविशंकर, सहायक अवर निरीक्षक एम जायसवाल,मुख्य आरक्षी जीएसपी सोनी, आरक्षी मंजीत यादव, अमित गोप इत्यादि शामिल रहे।

संत माइकल स्कूल में उत्साह के साथ मनाया गया ग्रीन डे, बच्चों ने दिया हरियाली का संदेश

मुरी: शनिवार को दिन संत माईकल स्कूल मुरी में ग्रीन डे अपार हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वर्ग नर्सरी से वर्ग यू.के.जी. के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में बच्चे हरे रंग के परिधान में आए। बच्चे आम, पेड़, अंगूर, हरा मकई, भिंडी, मिर्च, पालक, कद्दू, पपीता, अमरूद आदि परिधान में आए। हरा रंग जो समृद्धि और उर्वरता का प्रतिनिधत्व करता है। इसी विचार के साथ बच्चे जिस परिधान में आए थे उसके बारे में बताए। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रीना साहू ने किया उन्होंने बच्चों को हरियाली के फायदे के बारे में जागरूक किया एवं बच्चे को हरा फल, सब्जियां खाने के फायदे के बारे में भी बताएं। इस मौके पर उपस्थित स्कूल के निदेशक डॉ राकेश कुमार ने कहा कि प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नही है ऐसे में बेहद जरूरी है की हम पेड़ पौधों, जंगलों, नदियों, भूमि, पहाड़ सबके महत्व को समझकर उसकी रक्षा करें। स्कूल के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति ने बच्चों से कहा कि हमे ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जी का प्रयोग करना चाहिए। हरा सब्जी खाने से हम तंदुरुस्त रहते हैं एवं आंखों की रोशनी बढ़ती है। उन्होंने बच्चों को उनकी सुंदर प्रस्तुति के लिए उनको बधाई भी दिए एवं उनका हौसला बढ़ाया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षकाएं निक्की कुमारी, उत्पल कुमार, दीपिका कुमारी, प्रतिमा कुमारी, डॉली महतो, संजुक्ता सिंह देव समेत तमाम अभिभावकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

श्री श्याम मंदिर में 208वां भंडारा संपन्न

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 208 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। आज का भंडारा शिशिर रावत शालिनी अंकुर वीणा रावत के परिवार द्वारा निवेदित किया गया था। मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा एवं रावत परिवार ने इष्ट मित्रों के साथ संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम का भोग भजन गाया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के भोग भजन से श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। सर्वप्रथम भंडारे का भोग लगाकर महाप्रसाद में मिलवाया गया। इसके बाद यजमान परिवार के सदस्यों ने मंदिर के आचार्यों को भोजन प्रसादी ग्रहण करवाया। भंडारे का भोग हर शनिवार को गौशाला में गौ माता के लिए भेजा जाता है। मंदिर के सदस्य एवं सहयोगी गौशाला में भंडारे का भोग लेकर जाते हैं। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। आज के भंडारे में नमक अजवाइन की पूड़ी आलू लौकी टमाटर मिक्स झोलदार सब्जी इमरती आइसक्रीम एवं खीर चूरमा का भोग लगाया गया।

मारवाड़ी युवा मंच ने कन्या भ्रूण संरक्षण को लेकर 40 माताओं को नए कपड़े और बेबी किट देकर किया प्रोत्साहित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : प्रादेशिक मारवाड़ी युवा मंच के 25 साल पूरे होने पर सृजन से सम्मान के उपलक्ष्य में मारवाड़ी युवा मंच ने होली फैमिली हॉस्पिटल में जन्मी नवजात 40 कन्याओं की माताओं को नए वस्त्र और बेबी किट देकर सम्मानित किया गया। बेटियों के जन्म पर उन्हें और उनके परिवार को बधाई दी। कार्यक्रम मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष प्रवीण गोयल जी के सम्मान में आयोजन किया गया। नौ दिवसीय कार्यक्रम में अमृतधारा, पौधरोपण, गो सेवा, नारी चेतना, खेलकूद जैसे आयोजन किए जा रहे हैं।

इधर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि मारवाड़ी युवा मंच की यह पहल सराहनीय है और समाज सेवा के क्षेत्र में इस तरह के आयोजन बेटियों के माता- पिता के लिए बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि बेटियां बहुमूल्य तोहफा होती हैं और भगवान द्वारा दिया गया बहुमूल्य उपहार हैं। बेटी और बेटा में कोई फर्क नहीं होता है। लोगों को सकारात्मक सोच की जरूरत है। समाज में आज भी कन्या भ्रूण हत्या होती रहती है इसके लिए प्रशासन और सरकार भी कडाई से बेटियों को बचाने में लगी है। उन्होंने कहा कि कोडरमा जिला में बेटियों का अनुपात आज भी कम है। इसके लिए समाज के हर तपके को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की जरूरत है। मारवाड़ी युवा मंच प्रांतीय भवन संयोजक राज पचिसिया ने कहा कि जिनके घर बेटी पैदा होती है, उन्हें गर्व महसूस करना चाहिए। मंच का राष्ट्रीय कार्यक्रम कन्या भ्रूंण संरक्षण में से एक है। अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि जिनके यहां बेटी होती है, उन्हें और उनके परिवार को यही कामना करनी चाहिए कि अगले जन्म में मोहे बिटिया ही दीजो। उन्होंने आगे कहा कि बेटी को भी जीने का अधिकार है। बेटी को बचाने का हम सभी को संकल्प लेना चाहिए बेटी नहीं तो बहू कहां से लाओगे, बेटी नहीं तो भाई के कलाई में राखी किससे बंधवाओगे जैसे ज्वलंत मुद्दा, मुद्दा ही बनकर रह जाएगा। कार्यक्रम में सचिव अतुल खेतान ने कहा बेटी है तो कल है नारी है तो हर पल है।मंच संचालन संजय ठोल्या ने किया। वहीं होली फैमिली की सीस्टर रानिटा सिस्टर एकनिशा और सुनील कुमार दास, दिलीप कुमार पांडेय,मंच के संयोजक अरविन्द चौधरी,चंद्रशेखर जोशी, उपाध्यक्ष प्रतीक संघई एवं शिवेश पचीसिया, सहसचिव विकास जैन पूर्व अध्यक्ष रितेश दुग्गड,अजय शर्मा, आयुष केडिया,तुषार चौधरी,रोहित संघई, अनुराग हिसारिया,अतिशय मोदी, आरवी संघई, विवान चौधरी,अनुराधा संघई, खुशबू केडिया, आदि उपस्थित थे।

एक नजर

वाहन के चपेट में बाइक सवार घायल

बरही : शनिवार शाम को बरही थाना क्षेत्र के बरसोत अज्ञात कृषि फार्म के पास एक बाइक सवार व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने अपने चपेट में लिया जिसके कारण वह गंभीर रूप घायल हो गया। प्रशासन एवं ग्रामीणों के मदद से उसे बरही अनुमंडलीय अस्पताल इलाज के लाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान कोडरमा जिला के तिलैया डैम ओपी कांको पंचायत के गरांडीह निवासी गौतम कुमार भारती के रूप में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि गंभीर रूप घायल व्यक्ति लगभग आधा घंटे तक तड़पता रहा। ग्रामीणों ने 108 एंबुलेंस को फोन किया परंतु ड्राइवर के द्वारा फोन रिसीव नहीं किया जिसके कारण ग्रामीणों ने रोष है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके मुखिया मोतीलाल चौधरी सहित कई ग्रामीण पहूंचे।

बढ़ती जनसंख्या समाज एवं परिवार के विकास में बाधक है : डॉ अविनाश

बड़कागांव : बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सभागार भवन में विश्व जनसंख्या दिवस मनाई गई। आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अविनाश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन एचएम सह बीपीएम मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। उपस्थित स्वास्थ्य कर्मी सहिया साथी एवं सहीया को संबोधित करते हुए डॉ अविनाश कुमार ने महिला एवं पुरुष नसबंदी पर विशेष जोर दिया और जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां एवं सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या देश हित परिवार के विकास में बाधक है, जितना छोटा हमारा परिवार होगा ,उतना ज्यादा विकास होगा। आप अपने निकटतम आस-पड़ोस के लोगों को जनसंख्या वृद्धि पर रोक लगाने तथा उसके फायदे को लेकर जागरूक करें। कम बच्चे रहने पर आप उनकी परवरिश शिक्षा दीक्षा अच्छी तरह से कर सकते हैं। जिनकी ज्यादा बच्चे होते हैं उन्हें कई कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। मौके पर फैमिली प्लानिंग के बिटीटी बबीता देवी, सहीया साथी एवं सहीया शामिल थी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बीएलए-1 के साथ विधानसभा स्तरीय बैठक

हजारीबाग : निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 24-मांडू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-सह-अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव की अध्यक्षता में आज मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण , 2026 के अंतर्गत चल रहे गणना चरण के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के उद्देश्य से बीएलए-1 के साथ विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संग्रहण, पात्र मतदाताओं के नामों के सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत, स्थानांतरित एवं अपात्र मतदाताओं के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने सभी बीएलए-1 से निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए बूथ स्तर पर सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला है। इसके लिए सभी संबंधित पक्षों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

स्कूल में चोरी करने वाले चार बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे, भेजे गए जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण थाना पुलिस ने राजकीय मध्य विद्यालय, भूषणडीह में 10 जुलाई 2026 को हुई चोरी की घटना का त्वरित उद्भेदन करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राकेश राणा, पिता रूदो राणा, संतोष कुमार यादव, पिता महेश यादव, युगेश माली, पिता महेंद्र माली तथा रितेश कुमार यादव, पिता शंकर यादव के रूप में हुई है। सभी आरोपी चौपारण थाना क्षेत्र के भूषणडीह गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, विद्यालय में चोरी की सूचना मिलते

ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं मानवीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में मिले तथ्यों के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। चौपारण पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में चोरी सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में गूंजे संस्कृत के श्लोक, विद्यार्थियों ने बटोरीं तालियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मॉडर्न पब्लिक स्कूल के सभागार में आज 'वाग्भूषण सभा' के तत्वावधान में कक्षा नवम के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य "श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण और उनके अर्थ की सुंदर प्रस्तुति से सभागार में मौजूद सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों में देववाणी संस्कृत भाषा के प्रति रुचि पैदा करना और श्लोकों के माध्यम से उनमें नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों का विकास करना था। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार, प्रत्येक प्रतिभागी को मंच पर आकर 4 से 5 मिनट में

संस्कृत श्लोक का शुद्ध वाचन करने के साथ-साथ उसका हिंदी अर्थ स्पष्ट करना भी अनिवार्य था। निर्णायक मंडल ने छात्रों का मूल्यांकन उनके उच्चारण, प्रस्तुति, आत्मविश्वास और अर्थ की स्पष्टता के आधार पर किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम के अंत में सम्मानित किया गया। कक्षा में श्रीजा लोहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जबकि हरजस कौर को द्वितीय और सारांश अग्रवाल को तृतीय स्थान मिला। इसके साथ ही शीवम राणा को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री गुरु चरण वर्मा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, "संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान और संस्कृति की आत्मा है। श्लोकों के नियमित उच्चारण से बच्चों की स्मरण शक्ति, एकाग्रता और पूरे व्यक्तित्व का विकास होता है। हमारा विद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान बनाने का निरंतर प्रयास करता रहेगा।

नन्हे वक्ताओं ने जीता सबका दिल, स्पेल बी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बिखेरी प्रतिभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डीएवी पब्लिक स्कूल, गुमो, सतपलिया, कोडरमा में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के अंतर्गत नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के विद्यार्थियों के लिए "माय फर्स्ट स्पीच" तथा कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए "स्पेल बी प्रतियोगिता" का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। "माय फर्स्ट स्पीच" प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने मेरे पिता ,मेरी माता मेरा स्कूल, मेरी कक्षा अध्यापिका, मेरी कक्षा एवं मेरा प्रिय खिलौना जैसे विषयों पर धाराप्रवाह एवं आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी मेंअपने विचार प्रस्तुत किए। बच्चों के प्रभावशाली

मंच संचालन और स्पष्ट अभिव्यक्ति ने सभी का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्रीनिश गुप्ता, आर्यन पांडेय, सुकृति बाउरी, अभिनव प्रकाश एवं वैदिक कुमार रहे। द्वितीय स्थान ओम परमार, सोयम गुप्ता, जेसिका सिंह, वेदांशी एवं तनिष्का कुमारी ने प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान पर सृष्टि कुमारी, शिवांशिका सिन्हा, श्रीनीत श्रीनाव एवं अंश राज रहे। वहीं स्पेल बी प्रतियोगिता में कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों ने शब्दों की सही वर्तनी, उच्चारण, अर्थ, वाक्य निर्माण, पूर्ण शब्द निर्माण तथा रैपिड फायर राउंड में अपनी उत्कृष्ट भाषा दक्षता का परिचय दिया। प्रतियोगिता के प्रत्येक चरण में विद्यार्थियों का उत्साह और आत्मविश्वास देखने योग्य था। इस प्रतियोगिता में आराध्या कुमारी कक्षा तीसरी ,शिवांशु कुमार कक्षा पांचवी तथा लक्ष्मी कुमारी कक्षा चौथी का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा।

डाक विभाग ने बहनों को दी सौगात, 70 रुपये में देश में कहीं भी भेज सकेंगी राखी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रक्षाबंधन का त्यौहर इस बार डाक विभाग अनोखे तरीके से मना रहा है। विभाग ने त्योहार से पहले ही बहनों को सौगात दी है। इस रक्षा बंधन पर बहनें अपने भाइयों को मात्र 70 रुपये में देश में कहीं भी राखी भेज पाएंगी। डाक विभाग की ओर से इस विशेष पहल की घोषणा की गई है। 70 रुपये में स्पीड पोस्ट के माध्यम से देश के किसी भी कोने में हस्तनिर्मित राखी भेजी जा सकती है। डाक विभाग की इस पहल का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। साथ ही पारिवारिक रिश्तों को मजबूत करना और डाक सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस राशि में 55 स्पीड पोस्ट शुल्क, 10 विशेष वाटरप्रूफ राखी लिफाफा और 05 रुपये प्रबंधन शुल्क शामिल है। रामगढ़ जिले के स्कूलों और अभिभावकों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। डाक विभाग चाहता है कि रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें अपने हाथों से बनाई गई राखियों को अपने प्रियजनों तक भेजें। यह पहल न केवल भाई-बहन के स्नेह को दूर-दराज तक पहुंचाने का माध्यम बनेगी, बल्कि बच्चों की प्रतिभा को भी प्रोत्साहित करेगी।

भाजपा कोडरमा की मासिक बैठक संपन्न, संगठन विस्तार व जनसंपर्क अभियान पर जोर : अनूप जोशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा की मासिक बैठक शनिवार को कोडरमा नगर स्थित गीतांजलि बैंक्वेट हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री विजय यादव एवं नरेंद्र पाल ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। कार्यकताओं से कहा गया कि मतदाता पुनरीक्षण अभियान (SIR) को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित

कराएं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाया जाए। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया यह अभियान नागरिकों से अपनी माता के सम्मान में एक पेड़ लगाने का आह्वान करता है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष" की उपलब्धियों को जनसंपर्क अभियान के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। सभी मंडल प्रभारी अपने-अपने मंडलों में शक्ति केंद्रों की बैठक सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक बूथ पर नियमित रूप से प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण कराया जाएगा तथा उसके उपरांत बूथ समिति की बैठक आयोजित कर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि बूथ सशक्त होगा तो संगठन और राष्ट्र दोनों सशक्त होंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। जिला प्रभारी प्रवीण मेहता ने कहा कि संगठन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने मंडल एवं शक्ति केंद्र स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह ने कहा कि भाजपा सेवा, संगठन और राष्ट्रहित की विचारधारा पर कार्य करने वाला दल है। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी देनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

क्लोरोफिल स्कूल में डेन्टल चेक अप कैम्प का हुआ आयोजन

कोडरमा : छोटे बच्चों के शिक्षा में अग्रणी स्थानीय क्लोरोफिल स्कूल में बच्चों के दांतों के स्वास्थ्य के लिए डेन्टल चेक अप कैम्प का आयोजन किया। प्ले ग्रुप और नर्सरी से लेकर कक्षा 5 तक के सभी छात्र छात्राओं के दाँतों की एक एक कर जांच की गई। डॉ सागरमणि और डॉक्टर मोहित ने जांच करते हुए बच्चों को समझाया की प्रतिदिन सुबह उठकर और रात में सोने से पहले दो बार ब्रश करना है। जिन बच्चों के दाँतों में कैविटी या कोई और समस्या थी उनका पर्चा बनाकर उनके अभिभावकों के लिए दिया गया। सुबह-सुबह असेंबली में शिक्षिकाओं ने बताया कि ज्यादा टॉफी खाने से दाँतों में कीड़े लग जाते हैं। सुबह उठने के बाद और रात में सोने के पहले दो बार ब्रश करने की बात पर कुछ बच्चों की जिज्ञासा बड़ी रोचक थी - दो बार ब्रश करने के बाद तो चॉकलेट खा सकता हूं न। लगभग सारे बच्चे रात में ब्रश करने के लिए उत्साहित हुए। प्राचार्य कंचन अग्रवाल ने बताया कि अच्छी शिक्षा अच्छे स्वास्थ्य के साथ-साथ चलती है इसलिए हम समय समय पर ऐसे शिविर आयोजित करते रहते हैं। बच्चों ने ब्लैक बोर्ड पर "थैंक यू डॉक्टर" लिखकर चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया। नर्सरी की क्लास को डेंटल क्लिनिक के रूप में सजाने के लिए और पूरे कैंप को सफल बनाने में अनुप्रिया कुमारी, संपूर्ण दास, सुलगना राय, नफीसा इमाम, सीमा जैन, पंकज सहाय, हुमा अहमद, कनिष्का कुमारी और शिखर ने योगदान दिया। पूरे शिविर के दौरान निदेशक अजय अग्रवाल उपस्थित रहे।

जयनगर थाना दिवसः 28 मामलों की सुनवाई, 10 का ऑन द स्पॉट निष्पादन

जयनगर : आम लोगों की भूमि एवं राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को जयनगर थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। अंचल अधिकारी सारांश जैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 28 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से 10 मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। थाना दिवस में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया गया। कार्यक्रम में जयनगर थाना प्रभारी विकास कुमार, राजस्व उप निरीक्षक रामदेव हांसदा, उमेश कुमार, सनोज यादव, अंचल अमीन आनंद कुमार तथा ऑपरेटर अजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दरवाजे पर बैठकर सफर कर रहे युवक का पैर प्लेटफॉर्म से टकराया, गंभीर हालत में रेफर

कोडरमा/पहाड़पुर : गाड़ी संख्या 12801 अप पुरीझआनंद विहार पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और रेलवे कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायल यात्री को ट्रेन से उतारकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन के पहाड़पुर स्टेशन पर दोपहर 1:42 बजे पहुंचने पर आरपीएफ के हवलदार रवि रोशन कुमार तथा रेलवे पोर्टर विमल कुमार गुप्ता ने घायल यात्री को अटेंड किया। जांच में पाया गया कि युवक के एक पैर में गंभीर चोट लगी है। इसके बाद आरपीएफ एवं पोर्टर की मदद से उसे एम्बुलेंस द्वारा फतेहपुर के स्थानीय अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया रेफर कर दिया गया। घायल युवक की पहचान संजय गोस्वामी (23 वर्ष), पिता मिठू गोस्वामी, निवासी पलिया लोहनी, थाना मिल्कीपुर, जिला अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने चचेरे भाई आशुतोष सिंह के साथ भुवनेश्वर से प्रयागराज तक जनरल टिकट पर यात्रा कर रहा था। जनरल कोच के दरवाजे के पास बैठकर सफर करने के दौरान परसाबाद स्टेशन के समीप उसका पैर प्लेटफॉर्म से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति फिलहाल सामान्य बताई जा रही है। उसके साथ उसका चचेरा भाई भी मौजूद है। घटना के बाद आरपीएफ की त्वरित कार्रवाई और समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से घायल यात्री को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराया जा सका। अपील: रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से चलती ट्रेन के दरवाजे पर बैठकर या खड़े होकर यात्रा नहीं करने की अपील की है, क्योंकि ऐसी लापरवाही जानलेवा हादसों का कारण बन सकती है।

चलती ट्रेन से उतरते समय यात्री फिसला आरपीएफ की तत्परता से बची जान

कोडरमा : कोडरमा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को आरपीएफ की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। गाड़ी संख्या 12382 डाउन अपने निर्धारित ठहराव के बाद प्लेटफॉर्म संख्या-3 से खुलने के उपरांत एसीपी में रुक गई। इसी दौरान चलती ट्रेन से उतरने के प्रयास में एक व्यक्ति ट्रेन के नीचे चला गया और उसका दाहिना पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मुस्ताक खान (50 वर्ष), पिता सफायद खान, निवासी खेसकरी, थाना जयनगर, जिला कोडरमा के रूप में हुई। बताया गया कि वह अपनी बेटी और दामाद को ट्रेन में बैठाने स्टेशन आए थे। ट्रेन खुलने के बाद उतरने का प्रयास करने के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे ट्रेन के नीचे चले गए। घटना की सूचना मिलते ही ट्रेन पासिंग ड्यूटी में तैनात आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह, आनंद कुमार सिंह, अशोक कुमार गुप्ता, महिला आरक्षी नीतू कुमारी तथा धनबाद से ड्रोन प्रशिक्षण के लिए आए आरक्षी राजेश पासवान तत्काल मौके पर पहुंचे।

एक नजर

अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : साकची थाना क्षेत्र के टिस्को वाटर टावर के समीप शनिवार को सड़क किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुबह स्थानीय लोगों और राहगीरों की नजर शव पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना साकची थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी थी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

बिशप की माता के अंतिम संस्कार में शामिल हुए विधायक

खूंटी : तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया शनिवार को खूंटी धर्मप्रांत के बिशप विनय कंडुलना की दिवंगत माता के अंतिम दफन और विदाई मिस्सा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विधायक ने पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि किसी प्रियजन का निधन परिवार के लिए अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति होती है। ऐसे कठिन समय में पूरा समाज शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को विश्राम प्रदान करें और पूरे परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति, धैर्य और आत्मिक बल दें। विदाई मिस्सा के दौरान विधायक सुदीप गुड़िया ने धर्मगुरुओं और श्रद्धालुओं के साथ सामूहिक प्रार्थना में भी भाग लिया। अंतिम संस्कार एवं विदाई समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता सहित उपस्थित थे।

झारखंड में 14 जुलाई को सभी मतदान केन्द्रों पर चुनाव पाठशाल, बीएलओ-बीएलए टू की होगी बैठक : के. रवि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर आगामी 14 जुलाई 2026 को बीएलओझ्रबीएलए 2 की द्वितीय संयुक्त बैठक एवं चुनाव पाठशाला का विशेष आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 की यह पूरी कवायद एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसे शत-प्रतिशत त्रुटिहीन और सफल बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक, मतदाता और सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है। के रवि कुमार ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस विशेष अभियान के तहत 14 जुलाई को दिन के 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए 2 की बैठकों का संचालन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि इस चुनाव पाठशाला में बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से अनिवार्य रूप से प्रारूप एएसडी सूची को सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया जाए, ताकि इस सूची को सत्यापित किया जा सके। इसके साथ ही, बैठक के दौरान अनमैप्ड मतदाताओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चक्रधरपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 195 एवं 196 तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 87, बड़कागांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 44 एवं सिमडेगा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 218 के बीएलओ ने अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के सभी मतदाताओं का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाकर इसका 100प्रतिशत डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए यहां के

बीएलओ के साथझ्रसाथ मतदाताओं, बीएलए 2 एवं निर्वाचन से संबंधित सभी स्टेकहोल्डर को हार्दिक बधाई। उन्होंने राज्य के अन्य सभी मतदान केंद्र के बीएलओ एवं प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिकों से अपेक्षा की है कि वे भी इसी प्रकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें एवं ससमय अपने इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर एवं हस्ताक्षर कर अपने बीएलओ को यथाशीघ्र लौटाएं जिससे ससमय सभी इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन प्रक्रिया पूरी की जा सके। उन्होंने बताया कि अबतक राज्य में बीएलओ द्वारा 83.40प्रतिशत मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है जिसमें आज के रिपोर्ट जारी करने तक 5336 ऐसे मतदान केंद्र है जहां 100प्रतिशत मतदाताओं को उनके बीएलओ की ओर से इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए इस बैठक में मतदाताओं, सामाजिक कार्यकताओं, यंग भोटर ईएलसी, चुनाव पाठशाला, बूथ अवेयरनेस ग्रुप के मेंबर एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट की सक्रिय सहभागिता अपेक्षित है। इस बैठक में कोई गैर भारतीय व्यक्ति शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कोई पात्र भारतीय नागरिक न छूटे और कोई अपात्र व्यक्ति न जुड़े।

पहाड़पुर पंचायत के युवाओ ने बिजली विभाग के खिलाफ खोला मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के सीमावर्ती क्षेत्र में बसे पहाड़पुर पंचायत के ग्रामीणों का बिजली की लगातार समस्या के बाद सब्र का बांध टूट चुका हैं। शनिवार को सैकड़ों बाइक पर रैली की सकल पर युवाओं ने बोड़ाम प्रखंड कार्यालय पहुंचकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपा। उसके बाद बोड़ाम के चिरुडीह में बने विद्युत सब स्टेशन में पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए विभाग के अधिकारियों से नियमित बिजली की मांग की। वही विभाग से क्षेत्र में दो फीडर की स्थापना करने, बिजली लाइन मैन की संख्या में बढ़ोतरी करने की मांग की। वही अनियमित बिजली आपूर्ति को विभाग से सुधार करते हुए जर्जर तार को भी बदलने की मांग की गई। जानकारी देते हुए पंचायत के मुखिया अजब सिंह सरदार ने बताया कि बिजली विभाग के द्वारा पहाड़पुर पंचायत में लगातार समस्या उत्पन्न की जाती हैं। हल्की बारिश या अन्य

कारणों से काफी समय तक बिजली आपूर्ति बंद रहती हैं। इसी समस्या समाधान के लिए आज रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। विभाग को आवेदन सौंपने के बाद पांच दिनों का समय समस्या समाधान के लिए दिया गया। छठे दिन यदि कोई सही फैसला विभाग से नहीं मिलता हैं। तो सातवें दिन पंचायत के महिला,पुरुष सहित अन्य लोगों के साथ सब स्टेशन पर प्रदर्शन किया जाएगा। विभाग के जेई को समस्या से अवगत करवा दिया गया हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़पुर पंचायत को इस फीडर में जुड़े अन्य दो पंचायतों में किसी प्रकार की बिजली समस्या होने पर बिजली आपूर्ति को बाधित रखा जाता हैं। जिसमें पहाड़पुर पंचायत के ग्रामीणों को बच्चों की पढ़ाई सहित अन्य कार्य में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता हैं। कार्यक्रम में बाइक रैली का नेतृत्व मुखिया अजब सिंह सरदार, गुणधर कुंभकार, अनिर्वदर सिंह, दीपांकर, लाल बाबू, मधुसूदन, सुखदेव, रतन, कृतिवास, तपन, राकेश, प्रशांत, सनातन, रवि, अरुण, गौतम, आशुतोष, महेश्वर, राज सिंह, दुलाल चंद्र, धनंजय, फूलचंद, भास्कर, शंकर आदि उपस्थित थे।

धनबाद रेल मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान

847 यात्री पकड़े गए, 7.92 लाख का जुर्माना वसूला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल में बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ बड़े पैमाने पर शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को रेल प्रशासन द्वारा एक सुनियोजित और बड़े स्तर पर मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह विशेष जांच अभियान दिन और रात, दोनों पालियों में निरंतर जारी रहा। इस बड़े अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक मनीष सौरभ ने बताया कि रेलवे परिसरों और ट्रेनों में अनधिकृत यात्रा को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। जांच टीमों ने मंडल के विभिन्न स्टेशनों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में भी सघन चेकिंग की। 847 (बिना टिकट, बिना उचित प्राधिकार और बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करने वाले शामिल) वसूला गया कुल जुर्माना 7,92,730 (सात लाख, बांवे हजार, सात सौ तीस रुपये) पकड़े गए सभी यात्रियों से जुर्माना वसूलने के साथ ही भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। रेलवे की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई का असर स्टेशनों पर साफ देखने को मिला। चेकिंग अभियान के डर से स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग कतारों में खड़े होकर टिकट खरीदते नजर आए। धनबाद रेल मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करें। साथ ही, यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट हो, वे उसी श्रेणी में सफर करें ताकि यात्रा सुगम और सम्मानजनक बनी रही रेल प्रशासन का कहना है कि धनबाद मंडल में यह टिकट जांच अभियान लगातार जारी है और भविष्य में भी इसे इसी तरह कड़ाई से चलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गुलमोहर स्टार्टअप स्टूडियों में विद्यार्थियों को मिलेगी उद्यमिता की शिक्षा

पूर्वी सिंहभूम : टेल्को स्थित गुलमोहर हाई स्कूल ने विद्यार्थियों में नवाचार और उद्यमिता की सोच विकसित करने के उद्देश्य से शनिवार को गुलमोहर स्टार्टअप स्टूडियो एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन प्रोग्राम 2026 की शुरूआत की है। इसे झारखंड में स्कूल और पूर्व छात्रों की साझेदारी पर आधारित अपनी तरह की अनूठी पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम की परिकल्पना विद्यालय की प्राचार्या प्रीति सिन्हा ने की है, जिसका उद्देश्य छात्रों को केवल परीक्षा नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है। नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की भावना के अनुरूप तैयार इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को वास्तविक स्टार्टअप तैयार करने, उद्यमियों से सीखने और व्यवसाय संचालन की पूरी प्रक्रिया का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्राचार्या प्रीति सिन्हा ने कहा कि उद्यमिता केवल व्यवसाय शुरू करना नहीं, बल्कि समस्याओं का समाधान खोजकर समाज के लिए मूल्य सृजित करना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में विद्यालय के छात्र ह्यशार्क टैंकद्ध जैसे राष्ट्रीय मंचों तक पहुंचेंगे और रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय की उप-प्राचार्या अर्चना श्रीवास्तव, शिक्षक, छात्र-छात्राएं और कई पूर्व छात्र मौजूद थे। मुख्य वक्ता के रूप में वर्ष 1996 बैच के पूर्व छात्र थौर बुकमायजेट के संस्थापक एवं सीईओ संतोष शर्मा ने विद्यार्थियों को जिज्ञासु, साहसी और असफलताओं से सीखने वाला बनने का संदेश दिया। वहीं वर्ष 2026 बैच के छात्र आशुतोष और वर्ष 2024 बैच के पूर्व छात्र वैभव कर्ण ने भी अपने अनुभव साझा किए। स्टार्टअप स्टूडियो का पहला प्रोजेक्ट हैंडक्राफ्टेड एंड सस्टेनेबल ज्वेलरी होगा, जिसके माध्यम से छात्र उत्पाद डिजाइन, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, वित्तीय योजना और बिक्री की पूरी प्रक्रिया सीखेंगे। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि यह पहल विद्यार्थियों में नेतृत्व, रचनात्मक सोच, टीमवर्क, वित्तीय साक्षरता और नवाचार की क्षमता विकसित कर उन्हें भविष्य के सफल उद्यमी बनने के लिए तैयार करेगी।

विशेष पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में राजनीतिक दल निभाएं भूमिका : एसडीओ

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर शनिवार को अनुमंडल कार्यालय में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने की। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है, ताकि सभी पात्र नागरिकों का नाम सूची में शामिल हो और या स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टियों का समय पर निष्पादन किया जा सके। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपने-अपने बीएलए-2 के माध्यम से बूथ स्तर पर मतदाता सूची का सत्यापन कराने, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं की जानकारी उपलब्ध कराने एवं आवश्यक प्रपत्र समय पर जमा कराने में सहयोग की अपील की। बैठक में कांग्रेस के त्रिशानु राय, भाजपा के रंजन प्रसाद, झामुमो के कैसर परवेज और आजसू के अजय महतो सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए प्रशासन को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

महाप्रभु जगरनाथ की रथ यात्रा 16 जुलाई को, तैयारियां तेज

पटमदा : पटमदा के दोगडीगोडा गांव स्थित श्री श्री हरिसाधना आश्रम परिसर में शनिवार को गिरजा प्रसाद मिश्र की अध्यक्षता में श्री श्री महाप्रभु जगन्नाथ की 16 जुलाई को क्षेत्र में पहलीवार निकाले जाने वाली महाप्रभु की रथ यात्रा महोत्सव को सफल बनाने को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में शामिल शंभू दास बाबाजी ने कहा कि रथ यात्रा में आस पास दर्जन भर गांव के 20 हजार लोगों की भीड़ होने की संभावना है। दोगडीगोडा आश्रम से महाप्रभु जगन्नाथ के रथ को तैयार कर भक्तों द्वारा गोपालपुर गांव में नव निर्मित प्रभु के मौसी बाड़ी पहुंचाया जाएगा। रथ पर प्रभु जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र व सुभद्रा साथ रहेंगे। बैठक में कमेटी द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मेंबर्स की उपस्थिति आदि मामले पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। क्षेत्र में पहली दफा बन कर तैयार प्रभु जगन्नाथ के रथ को देखने के लिए सुबह शाम लोगों की भीड़ उमड़ रही है. बैठक में गिरजा प्रसाद मिश्र, जिला पार्षद प्रदीप बेसरा, शंभू दास बाबाजी, ग्राम प्रधान मृत्युंजय महतो, अजीत दत्ता, ईसान गोप, बसु मंडल, श्रीमंत मिश्र, संदीप मिश्र, प्रदीप महतो, कृपा सिंधु महतो समेत दर्जनों उपस्थित थे।

कांग्रेस की बैठक में एसआईआर और विभिन्न ससमस्याओं पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : तोरपा प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक शनिवार को प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता की अध्यक्षता में प्रखंड कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में जिला महासचिव एवं तोरपा प्रखंड प्रभारी प्रनीत टोपनो मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक का प्रमुख एजेंडा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा और क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा रहा। बैठक में कार्यकर्ताओंइ ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण एसआईआर अभियान की रफ्तार प्रभावित हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची सड़कों पर फिसलन और गड्ढों में पानी भर जाने से बूथों तक पहुंचने तथा मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक के दौरान विभिन्न पंचायतों से आए ग्रामीणों और कार्यकताओं ने स्थानीय समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सड़क संपर्क, बुनियादी सुविधाओं और अन्य जनसरोकार से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग की। कार्यकर्ताओं ने इन समस्याओं को जिला कांग्रेस कमेटी और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और एसआईआर अभियान को सफल बनाएं।

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़
ई० अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :**RDSD/RAMGARH/07/2026-27**

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RDSD/RAMGARH/07/ 2026-27	Ramgarh	Renovation work of Sidhu Kanh Stadium (Building Complex and Unit Toilet). Block- Ramgarh, Dist Ramgarh.	1770450	36000	5000	03 (तीन माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 14.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 14.07.2026 से 20.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 22.07..2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट **Jharkhandtenders.gov.in** एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,रामगढ़।

PR 384738 Rural Work Department(26-27)D

टीम भावना और समय की पाबंदी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी : ब्रिज किशोर सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : गोलमुरी स्थित एनटीटीएफ (आर.डी. टाटा टेक्निकल एजुकेशन सेंटर) एवं टाटा स्टील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में नए बैच के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 10 दिवसीय 'रोप-इन' प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। संस्थान के सभागार में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने योग, समूह पीटी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की। समारोह का शुभारंभ टाटा स्टील फाउंडेशन के ब्रिज किशोर सिंह, एनटीटीएफ की प्राचार्य प्रीता जॉन तथा उप-प्राचार्य पल्लवी चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए अतिथियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण में उप-प्राचार्य पल्लवी चौधरी ने कहा कि 'रोप-इन' कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल संस्थान से परिचित कराना नहीं, बल्कि उनमें अनुशासन, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, सकारात्मक सोच और टीम भावना का विकास करना भी है। उन्होंने बताया कि दस दिनों तक चले इस प्रशिक्षण में योग, शारीरिक प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास, टीम बिल्डिंग, मेमोरी तकनीक तथा रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्य अतिथि ब्रिज किशोर सिंह ने कहा कि टीम भावना और समय की प्रतिबद्धता ही सफलता का मूलमंत्र है। उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग या संस्थान में सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास, अनुशासन और समय के सम्मान से मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर सीखने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
प्राचार्य का कार्यालय- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, (LWE) कैथा, रामगढ़
Email Id- govitikaitha@gmail.com

शैक्षणिक सत्र-2026–2027–2028 में नामांकन से संबंधित सूचना

एतद् द्वारा सुचित किया जाता है कि निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के पत्रांक– 843, दिनांक–10/07/2026 के अनुपालन मे राज्य सरकार SCVT से मान्यता प्राप्त व्यवसायों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (LWE) कैथा, रामगढ के शैक्षणिक सत्र–2026–27–28 में नये अतिरिक्त इलेक्ट्रीशिन व्यवसाय के लिए योग्य आवेदको (महिला सहित) से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी/स्थानीय निवासी के श्रेणी में आते है और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता अर्हता धारित रखते है, उनसे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in के Admission Tab) में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

1 न्युनतम शैक्षणिक योग्यता–सभी व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
2. आयु अर्हता– 01 अगस्त 2026 को न्युनतम आयु 14 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
3. सेवारत सैनिको /भुतपूर्व सैनिकों /वीरगति प्राप्त सैनिको के आश्रितों (किसी भी वर्ग के) के लिए प्रत्येक व्यवसाय में सीट एवं आयु राज्य सरकार के प्रावधान के अनुसार आरक्षित रहेगा।
4. नामांकन में कार्मिक ,प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड द्वारा जिला आरक्षण रोस्टर आधारित प्रावधानों के अनुसार आरक्षण प्रदान किया जायेगा।
5. निःशक्त अभ्यर्थियों (दिव्यांग–जन) के आरक्षण के लिए कार्मिक ,प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखण्ड के प्रावधानों का अनुपालन किया जायेगा।
6 कृमहानिदेशालय प्रशिक्षण भारत सरकार के निर्देश के आलोक में आई0टी0 आई0 एवं व्यवसायों के स्वीकृत सीटों में परिवर्तन अभ्यर्थियों की सहमति से आई0टी0आई0 एवं व्यवसायों के चयन में सुधार हेतु अवसर दिया जायेगा।
7. ऑनलाईन आवेदन को भरने की तिथि––

क्र.सं.	विवरणी	तिथि
1	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	02 जूलाई 2026
2	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि	15 जूलाई 2026
3	औपबंधिक मेघा सूचियों (दसवीं)कक्षा का प्रकाशन	20 जूलाई 2026 पूर्वाह्न 12.00 बजे

8 महानिदेशालय प्रशिक्षण,भारत सरकार के निर्देश के आलोक मे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों मे नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का वैध मोबाईल नम्बर ई–मेल आई0 डी0 एवं आधार नम्बर आवश्यक है, तथा State Trade Certificate (STC) उत्तीर्णता प्रमाण पत्र होने तक उसमें परिवर्तन करने की अनुमति नही होगी।
9 नामांकन संबंधित विस्तृत महत्वपुर्ण सुचना झारखण्ड ITI Websportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के Download section के Notification Tab में देखा जा सकता है।
10. अभ्यर्थियों द्वारा आईटी0आई में नामांकन लेने के लिए आवेदन भरते समय अधिकतम 10 ITI एवं 30 व्यवसायों का चयन किया जा सकता है।
11. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (LWE) कैथा, रामगढ में शैक्षणिक सत्र –2026–27–28 में रिक्त सीटों की विवरणीः–

क्र.सं	व्यवसाय का नाम	प्रशिक्षण अवधि	रिक्त सीटो की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1	इलेक्ट्रीशियन	दो वर्षीय	20	दसवीं पास

12 नामांकन हेतु आवेदक को झारखण्ड का स्थायी निवासी होना चाहिए। आवेदक अपने स्थायी निवासी एवं आरक्षण का दावे के समर्थन में सक्षम पदाधिकारी अंचलाधिकारी,/अनुम्रडल पदाधिकारी,/उपायुक्त) द्वारा निर्गत स्थानीय प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की मूल प्रति नामांकन के समय संस्थान में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

Help Desk in iti campus
Vikram kumar malhar (Training officer) MO.No-9431944948
Anuj kumar (Computer Oprerator) MO.No- 9771521256
INDUSTRIAL TRAINING INSTITUTE KAITHA

ह०/–
प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (LWE),
कैथा रामगढ

PR 384765 Labour Employment and Traning (26-27)_D

दलित राजनीति की नई जंग, आमने-सामने मायावती और चंद्रशेखर

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित नेतृत्व को लेकर जो बहस लंबे समय से भीतर ही भीतर चल रही थी, वह अब खुलकर सामने आ गई है। मेरठ की दलित छात्रा ललिता गौतम हत्याकांड के बाद आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद के आंदोलन और उस पर बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती की तीखी प्रतिक्रिया ने इस बहस को नई दिशा दे दी है। मायावती ने बिना नाम लिए ऐसे आंदोलनों को मगरमच्छ के आंसू और संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ से जोड़ते हुए दलित समाज को सड़क की बजाय संविधान और न्यायपालिका के रास्ते पर चलने की सलाह दी। इसके जवाब में चंद्रशेखर ने कहा कि जब समाज पर अत्याचार हो रहा हो, तो केवल अदालतों का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है। यह विवाद केवल दो नेताओं की बयानबाजी नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की दलित राजनीति में नेतृत्व और रणनीति की नई लड़ाई का संकेत है।

मायावती का राजनीतिक दर्शन हमेशा सत्ता के जरिए सामाजिक परिवर्तन का रहा है। कांशीराम ने जिस मास्टर चाबी का सिद्धांत दिया था, उसी को आगे बढ़ाते हुए मायावती लगातार कहती रही हैं कि सत्ता हासिल किए बिना बहुजन समाज का स्थायी उत्थान संभव नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि बसपा सड़क जाम, हिंसक प्रदर्शन और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी राजनीति में विश्वास नहीं करती। उनका कहना है कि गरीब, मजदूर और बेरोजगार नौजवान यदि आंदोलनों के दौरान मुकदमों में फंसेंगे, तो उनका भविष्य बर्बाद होगा और इसका सबसे ज्यादा नुकसान बहुजन समाज को ही उठाना पड़ेगा। यह संदेश केवल वर्तमान आंदोलन तक सीमित नहीं था, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले बसपा की पूरी राजनीतिक रणनीति का संकेत भी माना जा रहा है।

दिलचस्प यह है कि मायावती के इस बयान का समर्थन बीजेपी के वरिष्ठ नेता संगीत सोम ने भी किया। उन्होंने कहा कि समाज को दलालों और उकसाने वालों से बचना चाहिए। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के खिलाफ भी उन्होंने तीखा हमला बोला। इस समर्थन ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि लंबे समय से विपक्ष मायावती पर बीजेपी के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। हालांकि, बसपा लगातार इन आरोपों को खारिज करती रही है और खुद को सभी दलों से समान दूरी रखने वाली पार्टी बताती है।

अगर पिछले डेढ़ दशक का राजनीतिक इतिहास देखें, तो तस्वीर और भी रोचक दिखाई देती है। वर्ष 2007 में मायावती ने सर्वजन सामाजिक इंजीनियरिंग के सहारे उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। यह बसपा का स्वर्णकाल माना जाता है। लेकिन 2012 में पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा पहली बार शून्य सीट पर पहुंची। 2017 विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल 19 सीटों तक सिमट गई। 2019 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके बसपा ने 10 लोकसभा सीटें जरूर जीतीं, लेकिन गठबंधन ज्यादा समय नहीं चला। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट जीत सकी और 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी फिर शून्य पर पहुंच गई। चुनावी आंकड़ों के अनुसार, 2007 में करीब 30 प्रतिशत वोट पाने वाली बसपा का वोट प्रतिशत अब लगभग 10 से 13 प्रतिशत के बीच सिमट चुका है। यह गिरावट दलित राजनीति में बदलते समीकरणों की सबसे बड़ी कहानी कहती है। यहीं से चंद्रशेखर आजाद की राजनीति का विस्तार शुरू होता है। 2017 के सहारनपुर शब्बीरपुर हिंसा के बाद भीम आर्मी के जरिए उन्होंने दलित युवाओं के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल जाना, फिर बाहर आकर सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शन, दलित अत्याचार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर लगातार सक्रिय रहना उनकी राजनीति का आधार बना।

सूडोकु नवताल- 7853

★★★✯✩ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7852 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

आर्थिक कूटनीति का नया भारत और प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा ऐसे समय हुई है, जब पूरी दुनिया नई आर्थिक साझेदारियों की तलाश में है। चार दशक बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह न्यूजीलैंड दौरा है, जिसे हम कम से कम सामान्य राजनयिक घटना नहीं मान सकते हैं। वस्तुतः यह भारत की बदलती आर्थिक कूटनीति का सशक्त संकेत बनकर सामने आया है। यह यात्रा बताती है कि भारत अब अपनी विदेश नीति को सीधे आर्थिक विकास, निवेश, प्रौद्योगिकी, व्यापार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा से जोड़ रहा है। वास्तव में यह उस नए भारत की विदेश नीति है, जिसमें हर राजनयिक पहल का अंतिम लक्ष्य देश की आर्थिक शक्ति को बढ़ाना है।

कहना होगा कि भारत ने बीते एक दशक में भारत ने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। पहले जहां राजनीतिक संवाद और रणनीतिक सहयोग प्रमुख विषय हुआ करते थे, वहीं अब व्यापार, निवेश, स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और सप्लाई चेन साझेदारी हर उच्चस्तरीय वार्ता का केंद्रीय हिस्सा बन चुके हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक पहुंचाने का निर्णय लिया। पहली नजर में यह एक कूटनीतिक घोषणा लग सकती है, लेकिन इसके पीछे आर्थिक सोच कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर सात अरब न्यूजीलैंड डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक रूप से जोड़ने की रणनीति है। भारत यह संदेश भी दे रहा है कि वह निवेश, नवाचार और वैश्विक उत्पादन नेटवर्क का विश्वसनीय साझेदार बनना चाहता है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बनी सहमति इस यात्रा की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में है। भारत अब उन देशों के साथ एफटीए को प्राथमिकता दे रहा है, जहां घरेलू उद्योगों के हित सुरक्षित रहते हुए नए अवसर प्राप्त किए जा सकें। इस समझौते का लाभ निर्यात बढ़ाने के साथ ही बहुत व्यापक है।

वस्तुतः यह डेयरी विज्ञान, कृषि अनुसंधान, खाद्य प्रसंस्करण, बागवानी, वानिकी, डिजिटल सेवाएं, शिक्षा, पर्यटन और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग के साथ दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नई दिशा देगा। भारत की विशाल उपभोक्ता क्षमता और न्यूजीलैंड की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर ऐसी मूल्य श्रृंखला तैयार कर सकती है, जिसका लाभ दोनों देशों को मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत को जिन क्षेत्रों में निवेश का निमंत्रण दिया, वे सभी अति महत्व रखते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वच्छ ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल इकॉनमी, शहरी गतिशीलता, विमानन, जल प्रबंधन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्र आने वाले दशक की भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन माने जा रहे हैं। दरअसल, भारत अब विदेशी कंपनियों को सिर्फ अपने बाजार तक पहुंच नहीं दे रहा, वह उन्हें भारत के विकास अभियान का सहभागी बनने का आमंत्रण दे रहा है। यही कारण है कि मेक इन इंडिया की अवधारणा अब पार्टनर विद इंडिया के रूप में विकसित होती दिखाई दे रही है।

विश्व अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा परिवर्तन पिछले पांच वर्षों में सप्लाई चेन के पुनर्गठन के रूप में सामने आया है। एक देश पर अत्यधिक निर्भरता के जोखिम ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों को वैकल्पिक उत्पादन केंद्र खोजने के लिए प्रेरित किया है। ₹चाइना प्लस वन₹ रणनीति ने भारत को अभूतपूर्व अवसर प्रदान किया है। भारत इस अवसर का लाभ कम लागत वाले उत्पादन केंद्र के रूप में उठाने के साथ एक ऐसे लोकतांत्रिक, स्थिर और विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है, जहां उत्पादन, नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक वितरण एक साथ विकसित हो सकें। ऐसे में कहना यही होगा कि न्यूजीलैंड के साथ कृषि मूल्य श्रृंखला, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और समुद्री सहयोग पर दिया गया जोर इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

भारत और न्यूजीलैंड की अर्थव्यवस्थाएं भले अलग प्रकृति की हों, लेकिन उनकी ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। न्यूजीलैंड कृषि अनुसंधान, डेयरी, पशुपालन और खाद्य गुणवत्ता में अग्रणी है, जबकि भारत के पास विशाल कृषि बाजार, कृषि स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता आधार है। यदि यह सहयोग व्यवहारिक स्तर तक पहुंचता है, तो भारतीय कृषि उत्पादन आधारित होने के साथ उच्च मूल्य वाली कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेगी। इससे किसानों की आय, निर्यात क्षमता और ग्रामीण रोजगार इन तीनों को नई गति मिल सकती है।

डिजिटल इंडिया अब वैश्विक आर्थिक ब्रांड

दुनिया आज भारत को बड़ी आबादी वाले देश के रूप में देखने के साथ उसे डिजिटल परिवर्तन के मॉडल के रूप में भी पहचान रही है। यूपीआई, डिजिटल भुगतान प्रणाली, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, स्टार्टअप संस्कृति और फिनटेक ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दी है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान नवाचार, उभरती प्रौद्योगिकी और फिनटेक सहयोग पर विशेष बल दिया गया।

आर्थिक कूटनीति के मौन राजदूत

यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की जो भूमिका है, वह व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक और उद्यमिता में दोनों देशों के बीच भरोसे का आधार तैयार करती है। आज प्रवासी भारतीय निवेश, नवाचार, स्टार्टअप सहयोग और बाजार विस्तार के सबसे प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। यही कारण है जो न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन द्वारा भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक शक्ति और हिंद-प्रशांत का प्रमुख साझेदार बताया जा रहा है। वे देख रहे हैं कि भारत भविष्य की आर्थिक वृद्धि के केंद्र के रूप में है। वास्तव में भारत भू-अर्थनीति का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उसकी विदेश नीति का लक्ष्य स्पष्ट है; विश्वसनीय साझेदारी, सुरक्षित सप्लाई चेन, तकनीकी सहयोग, मुक्त व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश प्रवाह के माध्यम से भारत की आर्थिक क्षमता का अधिकतम विस्तार। प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसी व्यापक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यह यात्रा बताती है कि आने वाले वर्षों में भी भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा उद्देश्य अपने अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को आर्थिक समृद्धि में बदलते रहना होगा। यदि यही नीति निरंतरता के साथ आगे बढ़ती है, तो भारत निश्चित ही वैश्विक निवेश, नवाचार, उत्पादन और विश्वसनीय सप्लाई चेन का केंद्रीय स्तंभ बनने की दिशा में भी निर्णायक बढ़त हासिल करेगा। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा लक्ष्य है और यही भारत की नई आर्थिक कूटनीति की वास्तविक पहचान भी आज के वक्त में हमें नजर आती है।

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊंचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है, लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित है- क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है?

राइट टू वॉक केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय, सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है।

भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है।

विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है।

स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है।

भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊंचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते।

यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएंगे जब प्रत्येक नागरिक–चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो- समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके।

आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहां पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है।

विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में 'वॉकेबल सिटी' की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है। इसके विपरीत पैदल चलने योग्य शहर स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक संवाद को मजबूत करते हैं।

जब लोग पैदल चलते हैं तो स्थानीय बाजारों में अधिक खरीदारी करते हैं, छोटे व्यवसायों को लाभ मिलता है, सामुदायिक संबंध मजबूत होते हैं और शहर अधिक जीवंत बनते हैं। पैदल चलना सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी है। नियमित पैदल चलना मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी अनेक जीवनशैली संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करता है। यदि शहर लोगों को पैदल चलने के लिए प्रेरित करें तो स्वास्थ्य पर होने वाला सार्वजनिक व्यय भी कम हो सकता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी 'राइट टू वॉक' अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत के अधिकांश बड़े शहर वायु प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग पैदल चलने लगें तो ईंधन की खपत कम होगी, प्रदूषण घटेगा और जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

स्मार्ट सिटी की अवधारणा केवल डिजिटल तकनीक या निगरानी प्रणाली तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक स्मार्ट सिटी वह है जहां बच्चा सुरक्षित स्कूल जा सके, बुजुर्ग बिना भय के पार्क तक पहुंच सके, महिला रात में भी आत्मविश्वास के साथ चल सके और दिव्यांग व्यक्ति बिना किसी बाधा के सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। भारत में सड़क सुरक्षा की चुनौती भी 'राइट टू वॉक' से गहराई से जुड़ी हुई है। तेज गति, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अव्यवस्थित ट्रैफिक और पैदल पारपथों की कमी प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान लेती है। अनेक दुर्घटनाएं केवल इसलिए होती हैं क्योंकि लोगों को सड़क पार करने के लिए सुरक्षित व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती। शहरों में अक्सर देखा जाता है कि फुटओवर ब्रिज या सबवे तो बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता, दूरी और पहुँच का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जाता। कई बार बुजुर्ग, महिलाएं या दिव्यांगजन उनका उपयोग नहीं कर पाते और मजबूर होकर सड़क पार करते हैं।

मानसून की चुनौती : आखिर स्मार्ट शहर भी क्यों हो रहे हैं बेबस

योगेश कुमार गोयल

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल प्राकृतिक आपदा कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में लिडार तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और रॉकफॉल बैरियर्स के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैंकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन (आपदा के बाद राहत से आपदा से पहले तैयारी की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही स्पंज सिटी मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढलानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी।

दैनिक पंचांग

12 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 193 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 22.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 08.29 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 20.06 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.19 बजे तदनन्तर वणिज 22.30 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.46 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	08.03 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.14 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.25 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	14.40 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	16.56 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.48 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.20 बजे से
		मेष	23.51 बजे से
		वृष	01.31 बजे से
		मिथुन	03.29 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872768
जूलियन दिन 2461233.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 26
विशेष प्रदोष व्रत, शिव चतुदर्शी व्रत, संत नामदेव पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ई-कल्याण पोर्टल खुला, 15 अक्टूबर तक होंगे आवेदन

साहिबगंज: जिले के मंडरो प्रखंड में झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण आयुक्त कार्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) एवं पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्र-छात्राओं को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभदिलाने के उद्देश्य से ई-कल्याण पोर्टल खोलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जारी निर्देश के अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों के इंस्टीट्यूट नोडल ऑफिसर (आईएनओ) 8 जुलाई 2026 से छात्रों के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करेंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्तूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद संबंधित जिला नोडल पदाधिकारी (डीएनओ) द्वारा आवेदन पत्रों का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन की प्रक्रिया भी 8 जुलाई से शुरू होकर 30 नवंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। आयुक्त कार्यालय ने भी उपायुक्तों, जिला कल्याण पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से पोर्टल संचालन, आवेदन प्रक्रिया और सत्यापन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है ताकि पात्र छात्र-छात्राओं का बिना किसी विलंब के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल

पलामू : नीलगाय से बचने के लिए एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुलिया की रेलिंग से टकरा गई, जिससे बाइक पर सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो जख्मी हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि एक पूरी तरह ठीक है। गढ़वा जिले के रमकंडा थाना क्षेत्र के चोरवा सेमर पुलिया पर शुक्रवार रात घटना हुई। युवक की मौत मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार सुबह हुई। सुबह 11 बजे परिजनों ने घटना की जानकारी दी। मृतक की पहचान रामगढ़ के करमा गांव निवासी 19 वर्षीय बोधन परहिया के रूप में हुई है। जख्मी में रमकंडा थाना क्षेत्र के गोरे करम निवासी रितेश परहिया और चंदन परहिया हैं। रितेश को गंभीर हालत में इलाज के लिए डॉ अरुण शुक्ला के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि चंदन की स्थिति ठीक है और उसका गांव में ही इलाज किया गया। जानकारी के अनुसार बोधन, रितेश और चंदन एक बाइक पर सवार होकर उदयपुर के साप्ताहिक बाजार आए थे।

मसानजोर गेस्ट हाउस में चिकित्सक मृत मिले जांच में जुटी पुलिस

दुमका : जिले के मसानजोर स्थित सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन में ठहरे एक चिकित्सक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार सुबह उनका शव कमरे के बेड पर मिला। घटना की सूचना मिलते ही मसानजोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय चिकित्सक से जांच कराकर मौत की पुष्टि करायी। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेज दिया गया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय डॉ. शशि दिनकर मिंज के रूप में हुई है। मृतक रांची के बरियातू के रहने वाले थे और वर्तमान में हजारीबाग सदर अस्पताल में पदस्थापित थे। उनकी पत्नी भी चिकित्सक हैं और जमशेदपुर में कार्यरत हैं। परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। पुलिस के अनुसार डॉ. शशि दिनकर मिंज अपने तीन दोस्तों सुनील कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह और नीरज कुमार के साथ शुक्रवार की रात मसानजोर स्थित निरीक्षण भवन (गेस्ट हाउस) के कमरा नंबर-1 और 2 में ठहरे थे। जानकारी शनिवार सुबह जब उनके दोस्त उन्हें जगाने पहुंचे तो उनका शरीर ठंडा पड़ा था और कोई हलचल नहीं हो रही थी।

तीनपहाड़ जंक्शन पर ब्लैकआउट से यात्री परेशान प्लेटफॉर्म-2 पर सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज लूप रेलखंड के महत्वपूर्ण तीनपहाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर बिजली कटते ही घने अंधेरे छा जाता है। इस अव्यवस्था के कारण स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानियों और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण जंक्शन पर बिजली आपूर्ति बाधित होते ही पूरा प्लेटफॉर्म अचानक अंधेरे में डूब जाता है, जिससे रेल परिसर में मोबाइल व सामानों की चोरी और झपटमारी की आशंका काफी ज्यादा बढ़ गई है। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने चिंता जताते हुए कहा है कि यदि रेल प्रशासन द्वारा इस गंभीर स्थिति में जल्द सुधार नहीं किया गया, तो स्टेशन पर सक्रिय चोर गिरोहों और असामाजिक तत्वों को बड़ी वारदातों को अंजाम देने का मौका मिल सकता है। यात्रियों के अनुसार प्लेटफॉर्म पर अंधेरे की यह गंभीर समस्या पिछले कई महीनों से लगातार बनी हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि रात के समय प्लेटफॉर्म नंबर दो पर डाउन दिशा से चलने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव होता है। इनमें मालदा इंटरसिटी एक्सप्रेस, गया-हावड़ा एक्सप्रेस, जमालपुर-रामपुरहाट पैसेंजर, वनांचल एक्सप्रेस और जमालपुर सुपर एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं। इन सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों से हर रात बहुत बड़ी संख्या में यात्री स्टेशन पर उतरते और चढ़ते हैं। ऐसे में ट्रेनों के आवागमन के समय ही बिजली गुल होने और बैकअप व्यवस्था न होने से यात्रियों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बना रहता है। स्थानीय नागरिकों और नियमित यात्रा करने वाले लोगों का कहना है कि तीनपहाड़ जंक्शन पर पहले बिजली कटने की ऐसी कोई समस्या नहीं थी और स्टेशन परिसर की सभी लाइटें हमेशा जलती रहती थीं। लेकिन अब बिजली बाधित होते ही प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह से ब्लैकआउट हो जाता है और जेनरेटर या इनवर्टर का बैकअप नहीं मिलता। इस संबंध में जब तीनपहाड़ स्टेशन प्रबंधक रजनीश कुमार से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर दो पर बिजली बैकअप की इस समस्या की पूरी जानकारी रेलवे के वरीय अधिकारियों को लिखित रूप में दे दी गयी है। उन्होंने यात्रियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए विभाग की ओर से आवश्यक तकनीकी कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही प्लेटफॉर्म पर रोशनी की मुकम्मल व्यवस्था बहाल कर दी जाएगी।

मानगो और बिरसानगर में दो युवकों ने फांसी लगाकर दी जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर शहर में दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई आत्महत्या की घटनाओं ने दो परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। मानगो और बिरसानगर में 23 वर्षीय तथा 19 वर्षीय दो युवकों ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों ही अपने-अपने परिवार के इकलौते बेटे थे। पुलिस ने दोनों मामलों में शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पहली घटना मानगो थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर की है, जहां 23 वर्षीय पीयूष कुमार का शव शुक्रवार शाम घर में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलने पर मानगो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। परिजनों के अनुसार पीयूष गुजरात की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। करीब एक माह पहले वह अपने माता-पिता और बहन के साथ जमशेदपुर आया था तथा यहीं नौकरी की तलाश कर रहा था। परिवार का कहना है कि लगातार नौकरी नहीं मिलने के कारण वह मानसिक तनाव में रहने लगा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी तनाव में उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। दूसरी घटना बिरसानगर थाना क्षेत्र के विजय गार्डेन गेट नंबर-2 की है। यहां 19 वर्षीय रोहित गोप का शव शनिवार सुबह घर में फंदे से लटका मिला। परिजनों की सूचना पर बिरसानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

नीति तारा से डेटा आधारित सुशासन को मिलेगी नई गति, अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

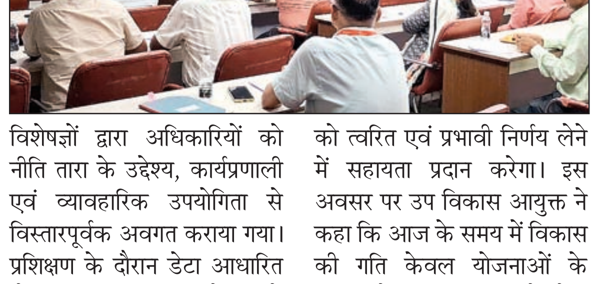

पाकुड़ : जिले में डेटा आधारित सुशासन को नई दिशा देने तथा विकास योजनाओं की प्रभावी निगरानी, पारदर्शी क्रियान्वयन एवं साक्ष्य- आधारित निर्णय प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की दिशा में शनिवार को सूचना भवन सभागार, पाकुड़ में भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा विकसित नीति तारा पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन एवं उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला योजना शाखा, पाकुड़ के तत्वावधान में आयोजित इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, जिला योजना पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा, जिला कृषि पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नीति आयोग के विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों को नीति तारा के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं व्यावहारिक उपयोगिता से विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान डेटा आधारित योजना निर्माण, विकास योजनाओं की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, प्रमुख विकास संकेतकों का विश्लेषण, समीक्षा तंत्र, प्रदर्शन मूल्यांकन तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार यह प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रशासन को त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने में सहायता प्रदान करेगा। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि आज के समय में विकास की गति केवल योजनाओं के निर्माण से नहीं, बल्कि उनके डेटा आधारित मूल्यांकन एवं वैज्ञानिक विश्लेषण से निर्धारित होती है। नीति तारा ऐसा सशक्त डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो जिले के विकास से जुड़े विभिन्न संकेतकों का समग्र विश्लेषण कर प्रशासन को वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस पर जागरूकता स्टॉल, परिवार नियोजन रथ को दिखाई हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शनिवार को विश्व जनसंख्या स्थिरता दिवस के अवसर पर राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जन जागरूकता स्टॉल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन राजमहल के विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने फीता काटकर किया। इस मौके पर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण का संदेश पहुंचाने के लिए जागरूकता रथ को भी विधायक प्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रथ विभिन्न पंचायतों और गांवों में जाकर लोगों को छोटे परिवार, स्वस्थ परिवार का महत्व समझाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मो. मारूफ ने कहा कि जनसंख्या विस्फोट देश और राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। यदि हम जनसंख्या को नियंत्रित नहीं करेंगे तो शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं देना मुश्किल होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे परिवार नियोजन के साधनों को अपनाकर ₹हम दो, हमारे दो₹ के सिद्धांत को जीवन में उतारें। इस अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय कुमार टुडू, टीबी हेल्थ विजिटर अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, प्रधान लिपिक अब्दुल सत्तार अंसारी, लिपिक जयराम यादव, आफताब आलम, चितरंजन ठाकुर, परिवार नियोजन बीटीटी खातून, सहिया दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने स्टॉल के माध्यम से गर्भनिरोधक साधनों की जानकारी दी और लोगों को शपथ दिलाई।

पलामू पुलिस ने बिहार ले जाए जा रहे 27 नाबालिगों को किया रेस्क्यू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू पुलिस ने मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पड़वा और नावाबाजार थाना क्षेत्र से कुल 27 नाबालिग (लड़के-लड़कियों)को सुरक्षित रेस्क्यू किया। सभी नाबालिग लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं और उन्हें बिहार के सासाराम में धान रोपाई के कार्य के लिए ले जाया जा रहा था। गोपनीय सूचना पर शुक्रवार रात की गई कार्रवाई में पड़वा थाना क्षेत्र से 14 और नावाबाजार थाना क्षेत्र से 13 नाबालिगों को बरामद किया गया। पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में बिहार के कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रेस्क्यू के बाद नाबालिग लड़कियों को सखी वन स्टॉप सेंटर तथा लड़कों को बाल गृह भेजा गया है। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीडब्लूसी के सदस्य रवि शंकर ने शनिवार सुबह मामले की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जानकारी मिली है। पूरे मामले में जांच की जा रही है सारे नाबालिग धान रोपने के लिए जा रहे थे। उनके साथ परिजन भी थे। इधर, पुलिस पूरे प्रकरण की जांच मानव तस्करी के सभी पहलुओं से कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी में जुटी है।

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा-2026 का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा-2026 के तहत 11 जुलाई से 10 अगस्त 2026 तक चलने वाले विशेष अभियान का शुभारंभ सदर अस्पताल, साहिबगंज में उप विकास आयुक्त, साहिबगंज एवं सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सदर प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. महमूद आलम, चिकित्सा पदाधिकारी सदर अस्पताल डॉ. केशव कृष्णा, आरबीएसके चिकित्सा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला डाटा प्रबंधक, डीपीएमयू कॉर्डिनेटर, डीडीएम-आईडीएसपी, अभय सिंह, आयुष्मान भारत समन्वयक, परिवार नियोजन परामर्शदाता संजय राम, अस्पताल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी, सभी प्रखंडों से परिवार नियोजन कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जीएनएम, एएनएम, सहिया साथी, सहिया, योग्य दंपति एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन बीटीटी मुनीजी पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उप विकास आयुक्त एवं सिविल सर्जन ने संयुक्त रूप से परिवार नियोजन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो अभियान अवधि के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर परिवार नियोजन एवं जनसंख्या स्थिरता के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त, साहिबगंज ने कहा कि हम दो, हमारे दो का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि देश की बढ़ती जनसंख्या विकास की गति पर प्रभाव डालती है। वर्तमान में भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक हो चुकी है। सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ तभी संभव है जब प्रत्येक परिवार, परिवार नियोजन को अपनाए तथा छोटे एवं संतुलित परिवार की अवधारणा को स्वीकार करे। उन्होंने कहा कि ₹छोटा परिवार, सुखी परिवार₹ केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं समृद्ध समाज की आधारशिला है। उन्होंने सभी से जनसंख्या स्थिरता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने एवं व्यापक जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में सिविल सर्जन, साहिबगंज ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार के कारण आज मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है तथा लोगों की औसत आयु पहले की तुलना में बढ़ी है। यह स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का सकारात्मक परिणाम है।

संक्षिप्त खबरें

खाद्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत दुकानों में छापेमारी व जांच की गई

साहिबगंज: बरहेट प्रखंड अंतर्गत विभिन्न दुकानों में खाद्य सुरक्षा से संबंधित छापेमारी की गई साथ-साथ राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत कोटपा एक्ट के उल्लंघन से संबंधित छापेमारी भी की गई। जहां 15 दुकानों में जांच की गई, एक दुकानों में एक्सपायर दूध के पैकेट मिले जिसे नष्ट किया गया। वहीं जांच के दौरान कुछ दुकानों में फूड कलर सही नहीं पाया गया उसको भी नष्ट किया गया। जिन दुकानों का फूड लाइसेंस अभी तक नहीं बना था उसे जल्द से जल्द बनवाने हेतु निर्देशित किया गया और आगे से किसी तरह का गड़बड़ी ना हो उसके लिए निर्देश दिया गया। कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर 6 दुकानों को चालान किया गया एवं 1400 की राशि अर्थ दंड के रूप में वसूला गया।

आर्म्स एक्ट के आरोपी की तलाश में बिहार पुलिस की किसन प्रसाद गांव में छापेमारी

साहिबगंज : बिहार के भागलपुर जिले की एकचारी थाना पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक आरोपी की तलाश में शनिवार को साहिबगंज के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत किसन प्रसाद गांव में छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई में मुफस्सिल थाना पुलिस ने स्थानीय स्तर पर आवश्यक सहयोग और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई। संयुक्त पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर संभावित ठिकानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की तलाश जारी है तथा मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

साहिबगंज-बोरियो मुख्य पथ पर स्कॉर्पियो-बाइक की भीषण टक्कर, बाइक चालक की मौके पर मौत

साहिबगंज: जिले के बोरियो थाना क्षेत्र के ग्राम कदमा के समीप साहिबगंज-बोरियो मुख्य सड़क पर शनिवार को स्कॉर्पियो और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में बाइक चालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो का आगे का एक चक्का टूटकर निकल गया। हादसे के बाद चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो का पंजीकरण संख्या (जे .एच 01 जी .ई 5001) बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बोरियो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है तथा फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान एवं दुर्घटना से संबंधित अन्य जानकारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अभाविप ने विद्यार्थियों में जगाया नेतृत्व संस्कार और राष्ट्रभावना का संकल्प

साहिबगंज: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में साहिबगंज नगर द्वारा आयोजित विद्यार्थी सप्ताह के तीसरे दिन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहिबगंज में भाषण, पेंटिंग, वाद-विवाद एवं आर्ट्स एंड क्राफ्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं परिषद् गीत के साथ हुआ। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी बौद्धिक, कलात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सुनील पंडित, एबीवीपी झारखंड प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह तथा प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने की। अपने संबोधन में प्राचार्य सुनील पंडित ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का केंद्र होता है और इस प्रकार के आयोजन उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक इन्द्रजीत साह ने कहा कि एबीवीपी विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना और राष्ट्र निर्माण का भाव विकसित करने का कार्य करती है। प्रदेश छात्रा सह प्रमुख निधि सिंह ने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के साथ नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास के अवसर मिलना समय की आवश्यकता है तथा एबीवीपी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नगर मंत्री चंदन कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी सप्ताह के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, नए अनुभव प्राप्त करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अविनाश कुमार, जिला कार्यालय मंत्री अंकुश कुमार, नगर सह मंत्री लक्ष्मी कुमारी, दीपिका कुमारी, पायल कुमारी, मौसमी कुमारी, पूर्णव कुमार, अनमोल कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

रथ यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चक्रधरपुर मंडल से पुरी के लिए चलेंगी विशेष ट्रेन

पश्चिमी सिंहभूम : विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे ने विशेष रेल सेवाओं की घोषणा की है। रेलवे ने रथ यात्रा 2026 के दौरान पुरी आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चक्रधरपुर मंडल से होकर गुजरने वाली तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। इन विशेष ट्रेनों के चलने से झारखंड, ओडिशा तथा आसपास के क्षेत्रों के हजारों श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर बढ़ने वाला दबाव भी कम होगा। शनिवार को रेलवे की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 08331/08332 राउरकेला-पुरी-राउरकेला रथ यात्रा स्पेशल का संचालन 15 और 23 जुलाई 2026 को राउरकेला से तथा वापसी में 17 और 25 जुलाई 2026 को पुरी से किया जाएगा। यह ट्रेन राउरकेला, झारसुगुड़ा, संबलपुर, अंगुल, ढेंकानाल, कटक, भुवनेश्वर और खुर्दा रोड जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए पुरी पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 20 आईसीएफ कोच लगाए जाएंगे, जिनमें एसी, स्लीपर, सामान्य तथा एसएलआरडी कोच शामिल होंगे। इसी क्रम में 08569/08570 बामड़ा-पुरी-बामड़ा मेमू स्पेशल का संचालन भी 15 और 23 जुलाई को बामड़ा से तथा 17 और 25 जुलाई को पुरी से किया जाएगा। यह विशेष मेमू ट्रेन टाटानगर, गम्हरिया, सिनी, राजखरसावां, चाईबासा, नोआमुंडी, बंसपानी सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इससे कोल्हान क्षेत्र के श्रद्धालुओं को बिना अतिरिक्त परेशानी के पुरी तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध होगी।

एक नजर

बीएलओ के साथ घर घर घूम रही है मुखिया

बोकारो : जरीडीह प्रखंड के खूंटरी पंचायत की मुखिया लीलावती देवी एसआईआर में काम कर रहे बीएलओ के साथ साथ घर घर पहुंच कर वोटरों का फार्म भरने का काम कर रही है। मुखिया ने बताया कि यह पंचायत आदिवासी बहुल क्षेत्र है। कुछेक बीएलओ संथाली भाषा नहीं बोल पाती हैं इसलिए मुझे ही सहयोग करने के लिए जाना पड़ता है। गांव के लोग पंचायत भवन में जाकर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने पंचायत के शिक्षित युवाओं से बीएलओ को हरसंभव सहयोग करने का आहवान किया।

बीएसएल में मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ

बोकारो : इस्पात संयंत्र द्वारा वर्तमान मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण आगामी अवधि, अर्थात 11 जुलाई 2026 से 10 जुलाई 2027 तक के लिए प्रारंभ कर दिया गया है। बीमा प्रदाता के रूप में मेसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड तथा थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर के रूप में मेसर्स एमडी इंडिया हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए लिमिटेड का चयन किया गया है। योजना के अंतर्गत वार्षिक प्रीमियम आयु के अनुसार निर्धारित किया गया है। 70 वर्ष से कम आयु के सदस्य के लिए यह 9,609 है, वहीं 70 से 80 वर्ष के बीच आयु वाले सदस्य के लिए 6,428 निर्धारित किया गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य के लिए यह राशि 100 रखी गई है।
सदस्य योजना का नवीनीकरण https://sailenrollment.mdindia.com पर जाकर कर सकते हैं। लॉगिन हेतु सदस्य अपने MIN को यूजर आईडी तथा सेवा रिकॉर्ड के अनुसार जन्मतिथि या पूर्व में आपके द्वारा डाला गया पासवर्ड का उपयोग करें। वे सदस्य जो पूर्व में योजना में शामिल नहीं हुए हैं या समय पर नवीनीकरण नहीं कर सके हैं, वे "गैप केस" श्रेणी के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सहयोग पोर्टल https://www.sahyog.sailbsl.in पर जाकर"Mediclaim Gap Case Mediclaim Form"भरना होगा। इस श्रेणी में सदस्यता लेने के लिए इच्छुक सदस्य, अपनी आयु के अनुसार प्रीमियम राशि का ऑनलाइन भुगतान करके सदस्यता ग्रहण कर सकते है। मेडिक्लेम योजना के नवीनीकरण और गैप केस आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी सेल की वेबसाइट www.sail.co.in तथा सहयोग पोर्टल sahyog.sailbsl.in पर उपलब्ध है। किसी भी प्रकार की सहायता या जानकारी के लिए 06542-240273 पर संपर्क किया जा सकता है। यदि नवीनीकरण के दौरान कोई जानकारी अधूरी या त्रुटिपूर्ण प्रदान की जाती है, तो ऐसी स्थिति में सेल/बीएसएल किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

आषाढ़ की रिमझिम में हरित भविष्य का लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी स्कूल -4, में आषाढ़ मास की रिमझिम वर्षा के बीच प्रकृति को और अधिक हरा-भरा एवं समृद्ध बनाने के उद्देश्य से भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों , विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण तथा हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ₹वृक्ष केवल प्रकृति की शोभा ही नहीं बढ़ाते, बल्कि समस्त जीव-जगत के जीवन का आधार हैं। आज जब पर्यावरणीय चुनौतियाँ लगातार बढ़ रही हैं, तब प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह केवल एक पौधा लगाए ही नहीं, बल्कि उसके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प ले। प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य प्रदान करेगी।
उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने जन्मदिन, विशेष अवसरों तथा पारिवारिक उत्सवों पर पौधारोपण को एक परंपरा के रूप में अपनाएँ तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित करें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पोस्ट और प्रेरक संदेश के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया दिए तथा सभी ने मिलकर अधिकाधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों की देखरेख का उत्तरदायित्व भी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया।
यह आयोजन केवल पौधारोपण तक सीमित न रहकर प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय जागरूकता तथा सतत विकास के संदेश का सशक्त माध्यम बना। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रयास समाज में हरित चेतना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे।

कॉ. हलधर महतो की 20 वीं पुण्यतिथि पर किसान नेता जगन्नाथ रजवार ने दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : कॉ.हलधर महतो स्मारक समिति कालापत्थर कि और से शनिवार को आयोजित झारखण्ड आन्दोलनकारी नेता स्वर्गीय कॉ.हलधर महतो की 20 वीं श्रद्धांजलि सभा में किसान नेता सह चन्दनकियारी विधानसभा क्षेत्र के पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार शामिल होकर उनके चरणों पर श्रद्धा पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी। वहीं श्री रजवार ने कहा कि स्वर्गीय हलधर महतो अपने छात्र जीवन से शोषण-जुल्म के खिलाफ के खिलाफ एक प्रखर आवाज बनके उभरे उनके हर एक आवाज जुल्म के खिलाफ व शोषित पीड़ित वंचितों का न्याय दिलाने का नाम हलधर महतो था। छात्र नेता की सफर से झारखण्ड अलग राज्य के आन्दोलन में वे अग्रिणी नेतृत्व दिए। उन्हें कई बार जेल यात्रा भी करनी पड़ी लेकिन कभी भी जुल्म के खिलाफ समझौता नहीं किया। श्री रजवार ने आगे कहा कि अगर आज हमारे बीच हलधर महतो होते तो कालापत्थर मौजा में निर्मित रेलवे स्टेशन का नामकरण चास रेलवे स्टेशन नहीं होने देते। मौके पर उनके अनुज चक्रधर महतो, पुत्र चंडी चरण महतो, झारखण्ड आन्दोलनकारी टुपलाल महतो, दुर्गा चरण महतो, तुलसी शर्मा, राम विलास महतो, मनोज महतो, भुपेंद्र केटियार, गया राम शर्मा, सोहराई महतो, तिलकेश्वर महतो आदि शामिल रहे।

डीपीएस बोकारो में एआई आधारित शिक्षण पर शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों के अध्यापन-कौशल में संवर्द्धन के प्रयासों की कड़ी में शनिवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में शिक्षकों के लिए एकदिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। सीबीएसई के पटना उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला का विषय क्लासरूम की पढ़ाई में एआई की उपयोगिता था। इसमें विद्यालय के दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर अध्यापन में एआई की उपयोगिता के गुर सीखे। रिसोर्स पर्सन के रूप में होलीक्रॉस स्कूल बालीडीह के वरीय शिक्षक संजय कुमार सेनापति एवं एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल की वरिष्ठ शिक्षिका दिव्या पांडेय शामिल रहीं। श्री सेनापति ने कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्र-निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका से की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार

विद्यार्थियों के समग्र विकास से लेकर उनके भावनात्मक, सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास में शिक्षकों का अहम योगदान है। इसके बाद विषयवस्तु के विभिन्न पहलुओं पर उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला। दूसरी रिसोर्स पर्सन दिव्या पांडेय ने पारंपरिक शिक्षण प्रणाली एवं आज के अत्याधुनिक शिक्षण परिवेश की चर्चा करते हुए क्लासरूम की पढ़ाई को प्रभावशाली बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को काफी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि मानवीय बुद्धिमत्ता को मशीन में समन्वित करते हुए उसके उपयोग का लाभ लेना ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता है। अभी तक शिक्षक क्लासरूम में अपनी प्राकृतिक बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करते रहे हैं। समय के साथ तकनीक में काफी बदलाव आया है और उन्हीं में से एक एआई का उपयोग पठन-पाठन को बेहतर, आसान एवं बच्चों के लिए अधिक समझने योग्य बनाने में किया जा सकता है। उन्होंने ऑटोमेशन सिस्टम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक बदलाव पर भी विस्तार से चर्चा की तथा यह दावा किया कि मानवीय बुद्धिमत्ता ही कंप्यूटर से लेकर एआई तक की जननी है, जिसे हरा पाना किसी के बस की बात नहीं।

आरएमएचपी की समस्याओं को लेकर बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेल बीएसएल प्रबंधन तो समस्याओं पर मौन धारण किए ही हुए है, आरएमएचपी प्रबंधन भी है मौन बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ के आरएमएचपी विभाग की बैठक शनिवार को दोपहर कैंटीन में संपन्न हुई । जिसमें विभाग के नियमित कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित हुए। बैठक में उपस्थित कर्मचारियों ने 2027 वेज रिवीजन, नई श्रम संहिता के अनुसार संयंत्र स्तर में कार्यसमिति निर्माण,2017 से लंबित वेज रिवीजन, एरियर, बोनस फॉमुर्ला में सुधार , इंसेंटीव फॉमुर्ला में सुधार , नए श्रम कानून को लागु करने से जुड़े मुद्दे पर चर्चा किया तथा यूनियन पदाधिकारियों से उपरोक्त विषयों पर जानकारी प्राप्त किया। वही आरएमएचपी विभाग की ज्वलंत स्थानीय समस्याओं पर विभाग के कर्मियों ने चर्चा किया ।

विभाग की ज्वलंत समस्याओं में जर्जर सड़क, ड्रेनेज समस्यां, सुरक्षा उपकरणो की उपलब्धता, झाड़ियों की साफ सफाई , विभाग में खराब वाटर प्युरीफायर का अनुरक्षण तथा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता , कैंटीन शौचालय का जर्जर होना, वाकवे का जर्जर होना, सिंटर प्लांट की धूल की समस्या , इलेक्ट्रिकल सेक्शन के शौचालय की समस्या, अटेंडेंस सिस्टम में तीन बार से अधिक सुधार का मांग, सीलिंग फैन उपलब्ध नही होना, कम होता नियमित मैनपावर, टिपलर क्षेत्र रेस्ट रुम का अभाव, सेफ्टी शूज छह माह में बाटा, लिबर्टी /वुडलैंड का उपलब्ध कराने, रेनकोट प्रत्येक वर्ष उपलब्ध कराने, अग्नीरोधी ड्रेस उपलब्ध कराने, समान्य गलतियों पर भी कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस देने जैसे मुद्दे पर यूनियन पदाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया । बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तानाशाह प्रबंधन के विरुद्ध संघर्ष में साझिदार बनने हेतु सहमति दिया । बैठक अध्यक्ष दिलीप कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल प्रसाद साव , विभागिय प्रतिनिधि सागर कुमार सिंह उपस्थित होकर सभी सदस्यों को संबोधित किया ।

बीजीएच में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जनरल अस्पताल के स्त्री तथा प्रसूति रोग विभाग में परिवार नियोजन विभाग की ओर से विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष के कार्यक्रम का मुख्य विषय (थीम) "युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना - आज और भविष्य के लिए" निर्धारित किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सही मार्गदर्शन प्रदान करना और जनसंख्या संतुलन एवं परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन अस्पताल प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं चिकित्सकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व, जनसंख्या संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता तथा स्वस्थ एवं आधुनिक परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही युवाओं को जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को परिवार नियोजन के आधुनिक उपायों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जनसंख्या नियंत्रण से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में बीजीएच के नर्सिंग स्कूल की छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का प्रभावी संदेश दिया गया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर BGH में प्रतिवर्ष एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को जनसंख्या संतुलन, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक करना है, और साथ ही उन्हें एक स्वस्थ और समृद्ध समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है।

नावाडीह कृषक पाठशाला से पूरे प्रखंड के किसानों को उन्नत खेती का संदेश

पूनम देवी व फूलमती देवी ने धान की बिचड़ा बुवाई कर किया खरीफ कृषि कार्य का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नावाडीह : आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति द्वारा संचालित नावाडीह कृषक पाठशाला में खरीफ मौसम की तैयारियों के तहत धान की बिचड़ा (नर्सरी) बुवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नावाडीह प्रखंड प्रमुख पूनम देवी एवं जिला परिषद सदस्य फूलमती देवी ने स्वयं खेत में उतरकर धान की बिचड़ा बुवाई कर किया। इस अवसर पर किसानों को वैज्ञानिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने का संदेश

भी दिया गया। प्रखंड प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि नावाडीह प्रखंड के सभी किसान समय पर धान की बिचड़ा तैयार करें, प्रमाणित एवं उन्नत किस्म के बीजों का उपयोग करें तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर अधिक उत्पादन एवं बेहतर आय सुनिश्चित करें। नावाडीह कृषक पाठशाला किसानों के लिए सीखने, नई तकनीकों को अपनाने और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ने का एक सशक्त केंद्र है। मैं प्रखंड के सभी किसानों से अपील करती हूँ कि वे कृषक पाठशाला से जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त करें और वैज्ञानिक खेती को अपने खेतों में अपनाएं। उन्होंने किसानों को मिलेट मिशन योजना की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। योजना के तहत मड़ुआ, बाजरा, कोदो एवं सांवा जैसी मोटे अनाज की फसलों की खेती करने पर किसानों को प्रति एकड़ 3,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने किसानों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। जिला परिषद सदस्य फूलमती देवी ने कहा कि बदलते समय में कृषि को लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों, जल संरक्षण, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप खेती करने से उत्पादन लागत कम होगी, उपज बढ़ेगी और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति के सचिव बासुदेव शर्मा ने कहा कि नावाडीह कृषक पाठशाला किसानों के लिए केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि आधुनिक कृषि नवाचार का एक सशक्त मंच बन चुका है।

संक्षिप्त खबरें

सीएचसी में अभियान शुरू, पहले दिन 11 महिलाओं का हुआ निःशुल्क बंध्याकरण

चौपारण : विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में जनसंख्या स्थिरीकरण एवं परिवार कल्याण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख पूर्णिमा देवी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से छोटे एवं स्वस्थ परिवार की अवधारणा को अपनाने तथा परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड प्रमुख पूर्णिमा देवी ने कहा कि भारत की बढ़ती जनसंख्या केवल चुनौती नहीं, बल्कि विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर भी है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या से जुड़े मुद्दों पर केवल वृद्धि या गिरावट की बहस तक सीमित रहने के बजाय लैंगिक समानता, प्रजनन अधिकारों की स्वतंत्रता और समावेशी सार्वजनिक निवेश जैसे विषयों पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है।उन्होंने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत नसबंदी एवं बंध्याकरण अभियान की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से इच्छुक दंपतियों को सुरक्षित एवं नि :शुल्क परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभियान के पहले दिन 11 महिलाओं का सफलतापूर्वक नि :शुल्क बंध्याकरण (नसबंदी) किया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर ने बताया कि परिवार नियोजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र में स्थायी एवं अस्थायी दोनों प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थायी विधियों में पुरुष नसबंदी और महिला बंध्याकरण शामिल हैं, जबकि अस्थायी साधनों के रूप में कंडोम, छाया और कॉपर-टी जैसी सेवाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सुरक्षित और संतुलित परिवार की सोच को बढ़ावा देना है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही पर चार शिक्षकों को नोटिस

बड़कागांव : निर्वाचन आयोग के द्वारा की जा रही मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में अंचलाधिकारी सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मनोज कुमार ने चार शिक्षकों को नोटिस जारी किया है। इस संबंध में सीओ ने कार्य समीक्षा में जानकारी देते हुए बताया कि मतदान केंद्र संख्या 184 में हरली प्लस टू उच्च विद्यालय के सहायक शिक्षक अजय कुमार पासवान, मतदान केंद्र संख्या 192 में प्लस टू उच्च विद्यालय हरली के सहायक शिक्षक हीरालाल प्रसाद, मतदान केंद्र संख्या 229 में हाई स्कूल जरजरा के सहायक शिक्षक संदीप कुमार एवं मतदान केंद्र संख्या 226 में हाई स्कूल जरजरा के सहायक शिक्षक प्रमेभय यायवर के खिलाफ कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप है। सभी को नोटिस जारी कर 24 घंटे के अंदर जवाब देने को कहा गया है। आगे बताया कि प्रखंड में अब तक 90% गणना प्रपत्र का वितरण किया गया है। वही 35% ऑनलाइन का कार्य पूरा किया जा चुका है, गणना प्रपत्र की निर्धारित समय 29 जुलाई तक ऑनलाइन का कार्य पूरा कर लेना है। समीक्षा कार्य में मुख्य रूप से शशि कुमार, संजय निगम (शिक्षक), कपिल तिवारी के अलावा अन्य शामिल थे। बताते चलें कि एसआईआर को लेकर सीओ के द्वारा निरंतर मतदान केदो में जाकर औचक निरीक्षण की जा रही है, ताकि जल्द से जल्द निर्धारित समय पर कार्य का निपटारा किया जा सके।

'ला बेनेडिक्शन' बुटीक का शुभारंभ प्रतिमा झा ने किया उद्घाटन

बोकारो : शहर में फैशन और परिधानों की दुनिया में एक नया आयाम जोड़ते हुए 'ला बेनेडिक्शन' बुटीक का भव्य शुभारंभ संपन्न हुआ। बुटीक का उद्घाटन उपायुक्त अजय नाथ झा की धर्मपत्नी प्रतिमा झा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रतिमा झा ने बुटीक की संचालिका उर्वशी सिंह को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे प्रतिष्ठान स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ ग्राहकों को गुणवत्ता एवं नवीन डिजाइन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बुटीक की सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बुटीक में महिलाओं के लिए आधुनिक एवं पारंपरिक परिधानों का आकर्षक संग्रह उपलब्ध कराया गया है। उद्घाटन समारोह में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक, परिवारजन, मित्र एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बुटीक का अवलोकन किया तथा संचालिका को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ हुआ। इस अवसर पर चेंबर के संरक्षक प्रदीप सिंह, संजय बैद, रोहित तलवार, अजय केडिया, साजन कपूर अनिल त्रेहान, अशोक जैन, पी ए जकारिया, पूनम त्रेहान, मीनू सिंह, मिनी स्टीफन कपूर, खोनेन ल्यू आदि उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर साईबर मामलों की लगातर हो रही है समीक्षा

बोकारो : पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय के द्वारा साईबर थाना का निरीक्षण किया गया व लंबित साईबर मामलों जैसे-दर्ज कांड, ऑनलाइन शिकायत, फ्रीज बैंक खाता, पीड़ितों को पैसा लौटाने संबंधित मामलों में त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैंक खाते के धारित होने संबंधित शिकायतों को 14 दिन के अंदर जांच कराकर त्वरित निर्णय लेने, सभी ऑनलाइन शिकायतों को लागातार मॉनिटरिंग किए जाने, थाना स्तर के 2 लाख से कम के मामलों में साईबर थाना के एक्सपर्ट टीम द्वारा त्वरित डिटेल्स देकर पूर्ण सहयोग करने, डॉयल 1930 के माध्यम से आए सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई करने , समन्वय पोर्टल के माध्यम से अनुसंधान में कार्रवाई करने, प्रतिबिंब ऐप के आधार पर लागातार छापेमारी कर गिरफ्तारी करने बढ़ाने इत्यादि; कई निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त डायरी

बेऊर जेल में गड़बड़ी का खुलासा, कैदी बना रहे थे खाना और गोदाम से गायब था राशन, 3 कक्षपाल सस्पेंड

पटना (एजेंसी) पटना की बेऊर जेल में छापेमारी के बाद कई खुलासे हुए हैं. जेल के अंदर अवैध मेस संचालन, राशन में गड़बड़ी और कैदियों द्वारा खुद खाना बनाने जैसी अनियमितताएं सामने आई हैं. इस मामले में तीन कक्षपालों को निलंबित कर दिया गया है. पटना के बेऊर जेल में हुई छापेमारी के बाद जांच लगातार जारी है. जांच आगे बढ़ने के साथ जेल के अंदर कई अनियमितताओं का खुलासा हो रहा है. कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय ने इस मामले में तीन कक्षपालों पर कार्रवाई की है. इनमें मुख्य कक्षपाल उमेश कुमार सिन्हा, कक्षपाल शिवशंकर कुमार और निर्मल कुमार पासवान शामिल हैं. तीनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है.

अवैध मेस संचालन में मुख्य कक्षपाल की भूमिका जांच में सामने आया कि बेऊर जेल के अंदर अवैध रूप से मेस चलाया जा रहा था. साथ ही प्रतिबंधित हीटर का इस्तेमाल भी किया जा रहा था. जांच टीम के अनुसार, इस व्यवस्था को चलाने में मुख्य कक्षपाल उमेश कुमार सिन्हा की संलिप्तता पाई गई. वह जेल में मुख्य उच्च कक्षपाल के पद पर तैनात थे. निलंबन के बाद उनका मुख्यालय मंडल कारा सीतामढ़ी तय किया गया है. गोदाम प्रभारी पर राशन में गड़बड़ी का आरोप कक्षपाल शिवशंकर कुमार जेल के गोदाम प्रभारी थे. जांच के दौरान गोदाम में रखी सामग्री की मात्रा में अंतर पाया गया. रिकॉर्ड और वास्तविक भंडारण में अंतर मिलने के बाद उनकी भूमिका पर सवाल उठे. इसके बाद उन्हें भी निलंबित कर दिया गया. निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय मंडल कारा छपरा निर्धारित किया गया है. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें वार्ड में कैदी खुद बना रहे थे खाना कक्षपाल निर्मल कुमार पासवान सरस्वती खंड के प्रभारी थे. जांच के दौरान उनके क्षेत्र से कच्चा राशन और हीटर बरामद किया गया. जांच टीम को सीढ़ी के नीचे छिपाकर रखे गए दो हीटर और आटा भी मिला. अधिकारियों के अनुसार, उनकी ड्यूटी के दौरान वार्ड में बंदी खुद खाना बना रहे थे. जांच में यह भी सामने आया कि उन्होंने जांच टीम को पूरा सहयोग नहीं किया. 20 जून की छापेमारी के बाद कार्रवाई तेज बेऊर जेल में 20 जून को हुई छापेमारी के बाद लगातार जांच की जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच में जिन लोगों की भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी. जेल प्रशासन की ओर से अब व्यवस्थाओं को सुधारने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी गई है.

छपरा-पठानकोट के बीच इस दिन से चलेगी स्पेशल ट्रेन, जानिए रूट और टाइमिंग

पटना (एजेंसी) रेलवे की तरफ से बिहार को स्पेशल ट्रेन का तोहफा दिया गया है. छपरा और पठानकोट के बीच वीकली स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. इस ट्रेन की शुरूआत 20 जुलाई से होगी. इससे रेल यात्रियों को भीड़भाड़ से राहत मिल सकेगी. बिहार को रेलवे की ओर से नया तोहफा दिया गया है. छपरा और पठानकोट के बीच वीकली स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है. छपरा-पठानकोट-छपरा (गाड़ी नंबर- 05193/05194) वीकली स्पेशल ट्रेन हर सोमवार को चलेगी. इस ट्रेन का परिचालन 20 जुलाई से 30 सितंबर तक होगा. इसके चलने से रेल यात्रियों को राहत मिल सकेगी. क्या है स्पेशल ट्रेन की टाइमिंग? छपरा-पठानकोट स्पेशल ट्रेन (गाड़ी नंबर- 05193) छपरा जंक्शन से 2 बजे खुलेगी और अलग-अलग स्टेशनों से होते हुए अगले दिन रात 10:15 बजे पठानकोट पहुंचेगी. वापसी में पठानकोट-छपरा स्पेशल ट्रेन (गाड़ी नंबर- 05194) पठानकोट से रात 12:30 बजे खुलेगी. इसके बाद उन्हीं स्टेशनों से गुजरते हुए अगले दिन छपरा जंक्शन सुबह 9:15 बजे पहुंच जाएगी. क्या होगा ट्रेन का रूट? स्पेशल ट्रेन के रूट के बारे में बताया गया कि यह छपरा कचहरी, दिघवा दुबौली, थावे, तमकुही रोड, पडरौना, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा

15 अगस्त के बाद जिलों में रात गुजारेंगे सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री, इस मकसद से बनाया गया प्लान

पटना (एजेंसी) बिहार में एनडीए की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व पर भरोसा जताया. उन्होंने कहा कि अब तक हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सम्राट चौधरी निभाएंगे. इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिलों के दौरे, संगठन से तालमेल और जनकल्याण योजनाओं को मजबूत करने का रोडमैप बताया. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने राज्य के विकास को लेकर कहा कि 2005 से 2025 तक हमने बहुत मुश्किलों से बिहार को संवारा है. अब मौजूदा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इन विकास कार्यों को और आगे ले जाने का काम करेंगे. नीतीश कुमार ने सीएम सम्राट चौधरी के काम की जमकर तारीफ की और गठबंधन के सभी दलों के नेताओं से अपील की कि जिस तरह उन्होंने हमेशा मुझे अपना स्नेह और समर्थन दिया, ठीक उसी तरह वे सीएम सम्राट चौधरी का भी पूरा साथ दें. उन्होंने देकर कहा कि एनडीए परिवार का मकसद बिहार को देश के सबसे विकसित पांच राज्यों की लिस्ट में शामिल करना है. सीएम सम्राट चौधरी का क्या प्लान मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद सम्राट चौधरी शुक्रवार को पहली बार एनडीए के पांचों घटक दलों (बीजेपी, जेडीयू, लोजपा-आर, हम और रालोमो) के जिलाध्यक्षों के साथ बैठक में शामिल हुए. अपने सरकारी आवास लोकसेवक भवन में करीब साढ़े तीन घंटे तक चली इस बैठक में सीएम ने सरकार और संगठन के बीच तालमेल बढ़ाने को कहा. उन्होंने घोषणा की कि आगामी 15 अगस्त के बाद वे खुद सभी जिलों का दौरा करेंगे, वहां चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे और जिले में ही रात को रुकेंगे. इसके अलावा, अब हर तीन महीने पर एनडीए के जिलाध्यक्षों के साथ नियमित बैठक की जाएगी. प्रभारी मंत्रियों को महीने में एक दिन जिले में गुजारनी होगी रात बैठक में गठबंधन को और मजबूत करने के लिए एक फैसला लिया गया. अब सभी प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों में महीने में कम से कम एक दिन रात में रुकना होगा. इस रात्रि प्रवास के दौरान मंत्री एनडीए के सभी घटक दलों के जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे और जिले की स्थानीय समस्याओं को जानकर उनका तुरंत समाधान निकालेंगे. सीएम ने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सरकार के आंख और कान होते हैं, इसलिए सरकारी योजनाओं को सीधे आम लोगों तक पहुंचाएं. उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा महिलाओं से मिलकर यह पता करें कि उन्हें समय पर पेंशन मिल रही है या नहीं. जमीनी फीडबैक के आधार पर ही योजनाएं ज्यादा सफल होती हैं. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें नीतीश कुमार के कारण बनी रही विकास की रफ्तार सीएम सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के योगदान को याद करते हुए कहा कि आमतौर पर सत्ता बदलने के साथ पूरी प्रशासनिक व्यवस्था बदल जाती है, लेकिन नीतीश कुमार के उदार नेतृत्व की वजह से बिहार में विकास की रफ्तार कभी नहीं थमी और गांव-गांव तक तरक्की पहुंची. नीतीश कुमार ने ही एनडीए के नेताओं और जिलाध्यक्षों के साथ नियमित बातचीत की एक बेहतरीन परंपरा शुरू की थी, जिससे गठबंधन को मजबूती मिली. सीएम ने आगे कहा कि 20 सूत्री समिति और नागरिक परिषद की बैठकों से मिलने वाले सुझावों पर जरूरी फैसले लिए जाएंगे और जरूरत के अनुसार जिला स्तर पर भी समितियों के गठन पर विचार किया जाएगा.

बिहार में नियम तोड़ने वाली गाड़ियों के खिलाफ बढ़ी सख्ती, जिलों के लिए निर्देश जारी

पटना (एजेंसी) बिहार परिवहन विभाग की ओर से सार्वजनिक बसों पर सख्ती बढ़ा दी गई है. लोगों के सफर को आरामदायक और आसान बनाने के लिए जिलों को निर्देश जारी किया गया है. साथ ही नियम तोड़ने वाली गाड़ियों की जब्ती का भी आदेश है. पटना से प्रह्लाद कुमार की रिपोर्ट परिवहन विभाग ने लोगों के सफर को आरामदायक बनाने के लिए जिलों को निर्देश भेजा है. सभी डीटीओ को निर्देश दिया है कि अगर कोई भी छोटी-बड़ी गाड़ी परिवहन मानक का पालन नहीं करता है, तो उस गाड़ी को जब्त करें. विभाग का मानना है कि यात्री परिवहन सेवा में लोग सुरक्षित सफर करें, इस कारण से जरूरी है कि यात्री बस, ऑटो, मिनी बस, कार सभी अपने तय मानक के अनुसार सड़कों पर चले. विभाग की तरफ से यह भी आदेश दिया गया है कि किसी भी तरह से नियमों का उल्लंघन नहीं किया जाए. विभाग ने जिलों में अभियान चलाकर गाड़ियों की फिटनेस, सुरक्षा नियमों की जांच और मानक के अनुसार गाड़ी नहीं रहने पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है. अधिकांश बसों में इमरजेंसी डोर नहीं विभागीय समीक्षा में पाया गया कि अधिकांश बसों में इमरजेंसी डोर नहीं है. बसों में अगलगी की घटना, किसी आपदा के वक्त अचानक से यात्रियों को बस से बाहर निकलना पड़े, तो उन्हें खिड़की से कूदना पड़ेगा. इस कारण विभाग ने सभी बसों में इमरजेंसी डोर शुरू कराने का निर्देश दिया है. साथ ही समीक्षा में यह भी पाया गया कि स्कूलों में चलने वाली गाड़ियों की स्थिति जर्जर है. इस वजह से ऐसी सभी गाड़ी की जांच करें और रिपोर्ट बनाकर जुमार्ना करते हुए गाड़ी को जब्त किया जाए. इसके लिए सभी स्कूल प्रबंधकों के साथ बैठक करने का आदेश भी दिया गया है.

स्कूल बसों की कमियों पर रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश परिवहन विभाग के बार-बार निर्देश पर भी स्कूलों में चल रही गाड़ियों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है. स्कूल में चल रही बस, ऑटो, वैन, मिनी बसों में मानक का ध्यान नहीं रखा जाता है. बच्चों की ओवरलोडिंग की जाती है. साथ ही किसी भी आपदा को लेकर कोई उपकरण नहीं है. जैसे आग बुझाने के लिए, चोट लगने पर तुरंत इलाज के लिए मेडिकल बॉक्स, इमरजेंसी डोर, पानी की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं नहीं हैं. विभाग ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्कूल के प्रबंधन को गाड़ियों में मानक पूरा करने के संबंध में नोटिस करें. साथ ही गाड़ियों की जांच करते समय ध्यान देंगे कि गाड़ियों में बच्चे नहीं रहें, उस वक्त ही गाड़ियों की जांच की जाए. परिवहन विभाग ने कहा है कि फिटनेस फेल रहने वाली गाड़ियां सड़कों पर नहीं चलनी चाहिए. गाड़ियों का फिटनेस अपडेट रहना चाहिए. सभी यात्री गाड़ियों का फिटनेस पेपर की जांच नियमित की जाए.

बांकीपुर में क्यों बदला भाजपा का उम्मीदवार? अभिषेक बंटी की जगह नीरज सिन्हा को उतारने के पीछे क्या है रणनीति

पटना (एजेंसी) बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा ने नामांकन के 24 घंटे बाद ही अपना उम्मीदवार बदल दिया. अभिषेक बंटी की जगह नीरज कुमार सिन्हा को मैदान में उतारने के पीछे कई सियासी समीकरणों की चर्चा है. आखिर क्यों लिया गया यह फैसला और क्या है इसके पीछे की चुनावी रणनीति? बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले भाजपा ने उम्मीदवार बदलाव किया है. पार्टी के उम्मीदवार अभिषेक कुमार बंटी ने नामांकन दाखिल करने के अगले ही दिन अपना नाम वापस ले लिया. गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की मौजूदगी में अभिषेक बंटी ने शक्ति प्रदर्शन के साथ नामांकन किया था. लेकिन शुक्रवार को उन्होंने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चुनावी मैदान से हटने का फैसला कर लिया. इसके तुरंत बाद भाजपा ने नीरज कुमार सिन्हा को बांकीपुर सीट से अपना नया उम्मीदवार घोषित कर दिया. इस अचानक हुए बदलाव ने बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े कर दिए हैं. आधिकारिक वजह परिवार, लेकिन राजनीतिक गलियारों में अलग चर्चा भाजपा की ओर से अभिषेक बंटी के नाम वापस लेने की वजह पारिवारिक कारण बताई गई है. हालांकि, राजनीतिक हलकों में इसे लेकर कई तरह की चचाएं चल रही हैं. सूत्रों के अनुसार, कुछ लोगों ने अभिषेक बंटी के परिवार से जुड़े पुराने मामलों को चुनावी मुद्दा बनाए जाने की आशंका जताई थी. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उनके पिता-माता का नाम चारा घोटाला मामले से जोड़कर देखा जा रहा था. हालांकि, इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही भाजपा या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से इसे उम्मीदवार बदलने की वजह बताया गया है. लेकिन माना जा रहा है कि पार्टी किसी भी संभावित विवाद को चुनावी मुद्दा बनने से पहले खत्म करना चाहती थी. प्रशांत किशोर की एंट्री से बढ़ी भाजपा की चुनौती बांकीपुर उपचुनाव इस बार सामान्य चुनाव नहीं माना जा रहा है. जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर खुद इस सीट से चुनाव मैदान में हैं. वे लगातार क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे हैं और उन्होंने इस चुनाव को सरकार के कामकाज पर जनता की राय से जोड़ने की कोशिश की है. अभिषेक कुमार सिन्हा बंटी लंबे समय से भाजपा से जुड़े रहे हैं. वह करीब दो दशक से पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता के तौर पर सक्रिय बताए जाते हैं. उनके हलफनामे के मुताबिक, उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है और उन्हें किसी मामले में दोषसिद्धि भी नहीं हुई है. इसके बावजूद चुनावी माहौल में विपक्षी दल उनके परिवार से जुड़े मुद्दे को बड़ा बनाने की कोशिश कर सकते थे. यही वजह मानी जा रही है कि भाजपा ने उम्मीदवार बदलने का फैसला लिया. स्थानीय संगठन की नाराजगी की भी चर्चा राजनीतिक सूत्रों की मानें तो टिकट बदलने के पीछे स्थानीय संगठन से जुड़े फीडबैक की भी भूमिका रही है. अभिषेक बंटी को नितिन नवीन का करीबी माना जाता है. टिकट मिलने के बाद भाजपा के कुछ स्थानीय नेताओं और संभावित दावेदारों में नाराजगी की बात भी सामने आई थी. पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी कि चुनावी मैदान में संगठन पूरी ताकत के साथ उतरे. दिल्ली से आया फैसला, बदली चुनावी रणनीति बांकीपुर सीट भाजपा के लिए प्रतिष्ठा की सीट मानी जा रही है. ऐसे में उम्मीदवार बदलने का फैसला सिर्फ स्थानीय स्तर का नहीं बल्कि केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. पार्टी ने अंतिम समय में ऐसा चेहरा चुना जिस पर संगठन और सामाजिक समीकरण दोनों को साधा जा सके. कायस्थ वोट बैंक को साधने की कोशिश बांकीपुर विधानसभा सीट लंबे समय से कायस्थ समाज के प्रभाव वाली सीट रही है

बिहार के इन दो जिलों के बीच बिछेगी 105 किमी लंबी रेल लाइन, 130 KMPH की स्पीड से दौड़ेगी ट्रेन

पटना (एजेंसी) बिहार के दो जिलों समस्तीपुर और खगड़िया के बीच रेल लाइन बिछाई जाएगी. इसकी लंबाई लगभग 105 किलोमीटर होगी. इस परियोजना के पूरा होने से लोगों को खास सुविधाएं मिलेंगी. इसके लोकेशन सर्वे के लिए रुपये भी आवंटित किए गए हैं. बिहार में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है. ऐसे में कई सारे रेल प्रोजेक्ट्स पर काम किए जा रहे हैं. उत्तर बिहार में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए 105 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाई जाएगी. यह समस्तीपुर-हसनपुर-खगड़िया रेलखंड दोहरीकरण परियोजना है. इस रेल लाइन की मांग 2006 में ही शुरू हुई थी. इतने रुपये किए गए मंजूर बताया जा रहा है कि काफी लंबे समय के बाद इस रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे का काम शुरू करने की मंजूरी दी गई. सर्वे के लिए 2.04 करोड़ से 2.37 करोड़ तक की राशि आवंटित की गई है. इसके साथ ही सर्वे एजेंसी को 6 महीने के अंदर सर्वे का काम पूरा करने का टारगेट दिया गया है. सर्वे फाइनल होने के बाद ही डीपीआर रिपोर्ट तैयार की जाएगी. रेलवे बोर्ड से मंजूरी के बाद शुरू होगा काम जानकारी के मुताबिक, डीपीआर तैयार होने के बाद रेलवे बोर्ड से रेल लाइन बिछाने की मंजूरी मिलेगी. इसके लिए टेंडर भी निकाला जाएगा. उसके बाद काम शुरू किया जाएगा. इस परियोजना को पूरा करने के लिए रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है. यह रेल प्रोजेक्ट उत्तर बिहार के लिए गेमचेंजर साबित हो सकेगा. समस्तीपुर से खगड़िया के बीच सिंगल लाइन होने से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है. यात्रियों को मिलेगी राहत कहा जा रहा है कि यात्रियों को ट्रेन के गुजरने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है. इस रेल लाइन को इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि इस पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चल सके. इससे सफर सुरक्षित, तेज और आसान हो सकेगा. फिलहाल, सर्वे एजेंसी काम में जुटी है. इस दौरान एजेंसी मिली की क्वालिटी, पुल-पुलियों की डिजाइन समेत अन्य अध्ययन किया जाएगा. इस रेल लाइन के बनने से यात्रियों के समय की बचत हो सकेगी. रेलखंड की क्षमता बढ़ सकेगी. इस रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नई एक्सप्रेस ट्रेन समेत अन्य ट्रेनों का परिचालन हो सकेगा.

हाजीपुर से उड़ान के बाद सात मिनट तक हवा में मंडराता रहा सीएम सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर, प्रशासन ने बताया कारण

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर हाजीपुर से उड़ान भरने के बाद करीब सात मिनट तक हवा में एक ही क्षेत्र में मंडराता रहा. इस दौरान वहां चिंता का माहौल बन गया था. प्रशासन ने बाद में इसका कारण स्पष्ट किया. : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर हाजीपुर के अक्षयवट राय स्टेडियम से उड़ान भरने के बाद करीब सात मिनट तक हवा में एक ही क्षेत्र में मंडराता रहा. इस दौरान स्टेडियम परिसर में मौजूद लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कुछ समय के लिए चिंता का माहौल बन गया. टेकऑफ के बाद हवा में रुका रहा हेलीकॉप्टर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर ने स्टेडियम से सामान्य रूप से उड़ान भरी, लेकिन आगे बढ़ने के बजाय कुछ देर तक एक ही स्थान पर हवा में मंडराता रहा. इसे देखते हुए एहतियात के तौर पर पुलिस ने स्टेडियम में मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थान की ओर हटाना शुरू कर दिया. कुछ समय के लिए वहां अफरा-तफरी जैसी स्थिति भी बनी रही. लोकेशन स्पष्ट होने के बाद पटना के लिए रवाना करीब सात मिनट बाद हेलीकॉप्टर ने सामान्य रूप से उड़ान जारी रखी और पटना की ओर रवाना हो गया. प्रशासनिक अधिकारियों ने बाद में बताया कि पायलट को आगे की लोकेशन स्पष्ट नहीं मिल रही थी. इसी कारण हेलीकॉप्टर को कुछ समय तक हवा में होल्ड करना पड़ा. लोकेशन स्पष्ट होने के बाद उड़ान सामान्य रूप से जारी रखी गई. प्रशासन ने बताया सामान्य प्रक्रिया घटना के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह सुरक्षा और उड़ान संचालन से जुड़ी सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा था

औरंगाबाद से पटना के नौबतपुर तक सड़क होगी फोरलेन, इन जगहों पर बनेंगे बाइपास, ट्रैफिक होगा कम

पटना (एजेंसी) पटना के नौबतपुर से औरंगाबाद तक को फोरलेन बनाने का काम तेज हो गया है. इस योजना के तहत अरवल, दाउदनगर, ओबरा और औरंगाबाद में चार नए फोरलेन बाइपास बनेंगे, जो सीधे भारतमाला ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ेंगे. इससे वाहनों को शहरों के जाम से मुक्ति मिलेगी. पटना और औरंगाबाद के बीच ठल्ढ-139 को फोरलेन में बदलने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निर्देश पर नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है. नौबतपुर से अरवल तक का मुख्य रास्ता पूरी तरह फोरलेन होगा, जबकि अरवल से लेकर औरंगाबाद के महाराजगंज के बीच ट्रैफिक को स्मूथ बनाने के लिए चार बड़े फोरलेन बाइपास बनाए जाएंगे. इन बाइपासों के बनने से गाड़ियों को जाम में नहीं फंसना पड़ेगा. अरवल, दाउदनगर, ओबरा और औरंगाबाद में बनेंगे फोरलेन बाइपास इस पूरी योजना के तहत अरवल, दाउदनगर, ओबरा और औरंगाबाद में फोरलेन बाइपास का निर्माण किया जाना है. इनमें से दाउदनगर में करीब 8.3 किलोमीटर लंबे फोरलेन बाइपास को सरकार पहले ही मंजूरी दे चुकी है. इसके साथ ही ओबरा में लगभग 7 किलोमीटर लंबा और औरंगाबाद में करीब 28 किलोमीटर लंबा फोरलेन बाइपास बनाने के लिए नया डीपीआर तैयार किया जा रहा है. यह औरंगाबाद बाइपास भरथौली नहर के पहले से शुरू होकर शहर के पश्चिमी हिस्से और रिसियप के पश्चिम से निकलते हुए सीधे अंबा के आगे भारतमाला परियोजना के तहत बन रहे वाराणसी-कोलकाता ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जाकर जुड़ जाएगा. इसका बड़ा फायदा यह होगा कि लंबी दूरी की गाड़ियों को औरंगाबाद, रिसियप या अंबा शहर के भीतर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी. भारतमाला ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से सीधे जुड़ेंगी सड़कें रोड मैप के अनुसार, धनीबार गांव से पोला गांव तक की सड़क को भी फोरलेन किया जाएगा. पोला से हरिहरगंज तक का फोरलेन बाइपास पहले से ही बन रहा है, इसलिए एक्सप्रेसवे से आने वाली गाड़ियां धनीबार के पास उतरकर सीधे पोला पहुंचेंगी. वहां से लोग हरिहरगंज बाइपास के रास्ते डालटेनगंज और गढ़वा की तरफ बेहद आसानी से जा सकेंगे. एनएच के कार्यपालक अभियंता तुलसी प्रसाद ने स्पष्ट किया है कि जिन इलाकों में नया फोरलेन बाइपास बनेगा, वहां के पुराने रास्तों को फोरलेन नहीं किया जाएगा. बाइपास का निर्माण पूरा होने के बाद उन पुराने शहरी मार्गों को राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग को सौंप दिया जाएगा. इस प्रोजेक्ट में सिर्फ बाइपासों के बीच बचने वाली मुख्य सड़क को ही फोरलेन के रूप में ढाला जाएगा, क्योंकि नौबतपुर से पटना तक का हिस्सा पहले ही फोरलेन बन चुका है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें अधिकारियों की संयुक्त टीम ने किया जमीनी निरीक्षण इस मेगा प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए शुक्रवार को एनएचएआइ की कंसल्टेंसी एजेंसी मोर्थ और एनएच विभाग की एक संयुक्त टीम ने औरंगाबाद और ओबरा के प्रस्तावित बाइपास इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया. इस दौरान अधिकारियों को सड़क के रूट, जमीन के अलाइनमेंट और डीपीआर से जुड़े जरूरी बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई. अधिकारियों का मानना है कि औरंगाबाद बाइपास के भारतमाला परियोजना से जुड़ जाने के बाद पटना, औरंगाबाद, पलामू और भारतमाला एक्सप्रेसवे के बीच का सफर पहले के मुकाबले काफी तेज, सुरक्षित और सुगम हो जाएगा.

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल • खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस • प्लास्टिक कप्स • दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स • बबल रैप • पेपर बैग • किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद हैं जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधौं में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधौं की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

सर्वेश बने पोडियम फिनिश करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के हाई जंप में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश अनिल कुशारे ने शुक्रवार (10 जुलाई) को मोनाको में डायमंड लीग में तीसरे नंबर पर रहकर इतिहास रचा। वह डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए शीर्ष-3 में रहने वाले पहले भारतीय बने। विश्व के दिग्गज खिलाड़ी ओलेह डोरोशचुक, पूर्व ओलंपिक चैंपियन मुताज बारशिम, वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट जान स्टेफेला और जैक किमानी जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का मुकाबला करते हुए कुशारे 2.26 मीटर कूदकर किमानी और डोरोशचुक से पीछे रहे।

कुशारे से पहले नीरज चोपड़ा, विकास गौड़ा और श्रीशंकर मुरली वह भारतीय हैं,जो डायमंड लीग में टॉप-3 रहे हैं। महाराष्ट्र के 31 साल के कुशारे ने 2.16 मीटर की ऊंचाई से शुरुआत की और 2.26 मीटर तक आसानी से पहुंच गए, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पार करने में उन्हें मुश्किल हुई और डायमंड लीग में डेब्यू करते हुए तीसरे स्थान पर रहे।

कुशारे का दूसरा बड़ा टूर्नामेंट

पिछले दो सालों में कुशारे के लिए यह दूसरा बड़ा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह 2025 टोक्यो वर्ल्ड चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे। दुनिया में 9वें स्थान पर काबिज इस सीजन में सिर्फ तीन जंपर्स ही सर्वेश के 2.31 मीटर के मार्क को बेहतर कर पाए हैं। हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा।

कुशारे के नाम रिकॉर्ड

हाल ही में भुवनेश्वर में इंटर स्टेट नेशनल चैंपियनशिप में कुशारे ने 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। सर्वेश कुशारे ने 2018 में तेजस्विन शंकर के बनाए नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 2022 में नेशनल गेम्स में 2.27मीटर की जंप लगाने के तीन साल बाद सर्वेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2.28 मीटर का जंप लगाकर नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

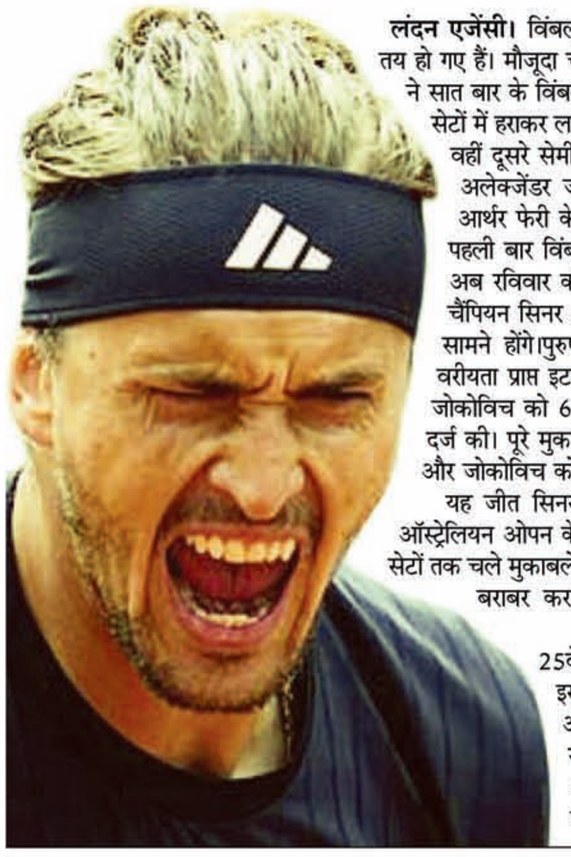

लंदन एजेंसी। विंबलडन 2026 के पुरुष एकल फाइनलिस्ट तय हो गए हैं। मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर-1 यानिक सिनर ने सात बार के विंबलडन विजेता नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराकर लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में जगह बना ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने ब्रिटेन के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी के शानदार अभियान पर विराम लगाते हुए पहली बार विंबलडन फाइनल का टिकट हासिल किया। अब रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में मौजूदा चैंपियन सिनर और फ्रेंच ओपन चैंपियन ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।पुरुष एकल के दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त इटली के यानिक सिनर ने अनुभवी नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। पूरे मुकाबले में सिनर ने आक्रामक खेल दिखाया और जोकोविच को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यह जीत सिनर के लिए खास रही क्योंकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में जोकोविच ने उन्हें पांच सेटों तक चले मुकाबले में हराया था। सिनर ने उस हार का हिसाब बराबर करते हुए विंबलडन के फाइनल में प्रवेश किया। 39 वर्षीय जोकोविच का रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी इस हार के साथ टूट गया। दूसरी ओर, फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद सिनर ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार दूसरी बार विंबलडन खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

विंबलडन 2026 के खिताबी मुकाबले में ज्वेरेव से टक्कर

ज्वेरेव पहली बार पहुंचे विंबलडन फाइनल

पहले सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने घरेलू दर्शकों के चहेते ब्रिटिश खिलाड़ी आर्थर फेरी को 7-6 (7-0), 6-2, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। पहला सेट बेहद रोमांचक रहा। फेरी ने शानदार संघर्ष करते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन टाई-ब्रेक में ज्वेरेव ने 7-0 से जीत दर्ज कर मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद दूसरे और तीसरे सेट में उनकी दमदार सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने फेरी टिक नहीं सके। ज्वेरेव ने 2 घंटे 14 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया।

लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब के करीब

29 वर्षीय ज्वेरेव पिछले महीने रोलां गैरो (फ्रेंच ओपन) जीतकर अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। अब वह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। वह विंबलडन फाइनल में पहुंचने वाले तीसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले बोरिस बेकर और माइकल स्टिच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस टूर्नामेंट में ज्वेरेव ने अब तक केवल दो सेट गंवाए हैं और सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में वह फिर से विश्व नंबर-2 बन जाएंगे। अगर ज्वेरेव रविवार को खिताब जीतते हैं तो वह ओपन एरा में एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन दोनों जीतने वाले केवल सातवें खिलाड़ी बन जाएंगे।

हार के बावजूद छाए आर्थर फेरी

ब्रिटेन के 23 वर्षीय आर्थर फेरी का यादगार सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, लेकिन उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान से शुरुआत करने वाले फेरी ने दमिर जुमहुर, ओटो विर्तानेन, जिजू बर्ग्स, ग्रिगोर दिमित्रोव और फ्लावियो कोबोली जैसे खिलाड़ियों को हराकर अंतिम चार तक का सफर तय किया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर लाइव रैंकिंग में 78 स्थानों की छलांग लगी है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 36वीं रैंकिंग तक पहुंच गए हैं। उन्हें 9 लाख पाउंड की पुरस्कार राशि भी मिली, जो उनके पूरे करियर की अब तक की कुल कमाई से अधिक है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

लॉर्ड्स में अर्धशतक लगाकर बनाया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 58 रन की शानदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह लॉर्ड्स के मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली पहली भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। इतना ही नहीं, महिला क्रिकेट में भी यह उपलब्धि हासिल करने वाली वह दुनिया की पहली खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 121 गेंदों पर 58 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे। इससे पहले वह इसी मैदान पर वनडे और टी20 इंटरनेशनल में भी अर्धशतक जड़ चुकी थीं। इसी के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।पुरुष क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने लॉर्ड्स पर टेस्ट और वनडे में अर्धशतक लगाए हैं। युवराज सिंह ने टी20 इंटरनेशनल में भी यहां पचासा लगाया था, लेकिन उन्हें लॉर्ड्स में कभी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। इसलिए वह तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने का यह रिकॉर्ड नहीं बना सके।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा यह मुकाबला लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट है। ऐसे में हरमनप्रीत कौर इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में अर्धशतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

अब फ्रांस से होगा महामुकाबला

फाबियन रूइज और मेरिनो के गोल से स्पेन सेमीफाइनल में

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में स्पेन के लिए फाबियन रूइज और मिकेल मेरिनो ने गोल किए, जबकि बेल्जियम की ओर से चार्ल्स डी केटेलारे ने एकमात्र गोल दागा। अब सेमीफाइनल में स्पेन का सामना मौजूदा उपविजेता फ्रांस से होगा। यह मुकाबला डलास स्टेडियम में खेला जाएगा।

फाबियन रूइज ने दिलाई शुरुआती बढ़त

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने सभी को चौंकाते हुए पेड्री की जगह फाबियन रूइज को शुरुआती एकादश में मौका दिया। उनका यह फैसला सही साबित हुआ। मैच के 30वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ ने दानी ओल्मो का पहला शॉट रोक लिया, लेकिन रीबाउंड पर फाबियन रूइज ने शानदार फिनिश करते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद युवा स्टार लामिन यामाल ने भी बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन उनका शॉट मामूली अंतर से गोलपोस्ट के बाहर निकल गया।

डी केटेलारे ने बेल्जियम की कराई वापसी

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले बेल्जियम ने शानदार जवाब दिया। केविन डी ब्रुने ने शानदार थ्रू पास देकर टिमोथी कास्टान्ये को आगे बढ़ाया। कास्टान्ये के सटीक क्रॉस पर चार्ल्स डी केटेलारे ने 41वें मिनट में हेडर के जरिए गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर के साथ पहला हाफ समाप्त हुआ।

मेरिनो ने 88वें मिनट में दिलाई जीत

दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन निर्णायक पल 88वें मिनट में आया। बेल्जियम के अनुभवी गोलकीपर थिबाउट कूर्तुआ 71वें मिनट में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह आए सेने लामेन्स ने पाउ क्यूबार्सी के दूर से लगाए गए शॉट को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। रीबाउंड पर हाल ही में मैदान में उतरे मिकेल मेरिनो ने जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया और स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी। अंतिम सीटी तक बेल्जियम बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने जीत के साथ सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

अब फ्रांस से होगी टक्कर

इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप 2026 के अंतिम चार में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला फ्रांस से होगा। दोनों यूरोपीय दिग्गजों के बीच होने वाला यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

मैच में कौन से रिकॉर्ड बने?

बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन के लगातार 560 मिनट तक गोल नहीं खाने के रिकॉर्ड का अंत किया। इस दौरान सिमोन ने इटली के वाल्टर जेंगा के 1990 विश्व कप में बनाए गए 517 मिनट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। स्पेन ने लगातार 36वां मैच बिना हार के पूरा किया। उसने अर्जेंटीना के 2019-2022 के 36 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब उससे आगे केवल इटली का 37 मैचों का अपराजित रिकॉर्ड है।

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप

अदिति अशोक ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, कट में जगह बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने फ्रांस में खेले जा रहे प्रतिष्ठित अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कट में जगह बना ली है। दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर अदिति ने 36 होल के बाद कुल दो अंडर पार का स्कोर बनाया और संयुक्त 38वें स्थान पर पहुंच गईं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय गोल्फ के इतिहास में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली।

पहले दौर के बाद चुनौतीपूर्ण स्थिति में मौजूद अदिति ने दूसरे राउंड में बेहतरीन वापसी की। उन्होंने पूरे राउंड में चार बर्डी लगाईं, हालांकि इस दौरान तीन बोगी भी कीं। इसके बावजूद उन्होंने एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर आराम से कट में अपनी जगह पक्की कर ली।

यह अदिति अशोक के करियर का 38वां मेजर टूर्नामेंट है। इसके साथ ही वह किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर द्वारा सबसे ज्यादा मेजर टूर्नामेंट खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा, अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में यह नौवीं बार उनकी भागीदारी है और उन्होंने पांचवीं बार कट में जगह बनाने का कारनामा किया है।टूर्नामेंट में इंग्लैंड की लॉटी वोड ने दूसरे दौर में शानदार सात अंडर 64 का कार्ड खेला। 36 होल के बाद उनके नाम कुल 11 अंडर पार का स्कोर है और वह लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर काबिज हैं।

टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक

स्मृति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड हासिल की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के बीच एकमात्र टेस्ट मैच की सीरीज लॉर्ड्स, लंदन में खेली जा रही है। इस मैच में इंग्लैंड के टॉस जीतकर भारत को पहले बैटिंग करने को कहा। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन इसके बावजूद टीम की ओपनर स्मृति मंधाना ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अर्धशतक लगाया और एक छक्का व 11 चौकों की मदद से 83 रन बनाकर आउट हुईं। भारत ने पहली पारी में अपना पहला विकेट तब गंवा दिया जब टीम का स्कोर सिर्फ 4 रन ही था। टीम की ओपनर शैफाली वर्मा बिना खाता खोले यानी डक पर ही आउट हो गईं और उसके ठीक बाद भारत का दूसरा विकेट 37 रन के स्कोर पर गिरा जब यास्तिका भाटिया 12 रन पर आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति ने बेहद धैर्य के साथ बैटिंग करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया।

यही नहीं उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स के साथ मिलकर टीम के लिए 64 रन की अर्धशतकीय साझेदारी भी की। जेमिमा पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुईं।

टीम पर भड़के पार्थिव पटेल

संजू को बाहर करना तर्कहीन वैभव को लेकर निशाना साधा

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका देने को लेकर भारतीय टी20 टीम पर पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है।

पार्थिव पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में संजू सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।'वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला- पार्थिव ने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो।

मैं न गांधी हूं, न कोई हीरो, अपने जीवन के नायक खुद बनें: सोनम वांगचुक

20 जुलाई को संसद तक होने वाले मार्च में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षाविद् और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों से अपील की है कि वे उन्हें आधुनिक गांधी या हीरो कहना बंद करें, क्योंकि वह बस एक आम नागरिक हैं। उन्होंने लोगों को किसी और को अपना लीडर मानने के बजाय अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनने के लिए प्रेरित किया। जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शनिवार को 14वें दिन में प्रवेश कर गई, जबकि सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 22वें दिन में है।

पार्टी की ओर से जारी स्वास्थ्य अपडेट के मुताबिक, उपवास शुरू करने के बाद से वांगचुक का वजन 7.5 किलोग्राम कम हो गया है और उनका ब्लड प्रेशर 106/74 दर्ज किया गया है। एक वीडियो में वांगचुक ने कहा कि उन्हें पिछले दिन की तुलना में कम ऊर्जा महसूस हो रही है, लेकिन वे आंदोलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

वांगचुक ने आंदोलन का समर्थन करने के लिए लोगों का शुक्रिया अदा कर बताया कि दो तरह की टिप्पणियों ने उन्हें असहज कर दिया है। उन्होंने कहा, बहुत से लोग मुझे 21वीं सदी का गांधी या आधुनिक गांधी कहते हैं। कुछ लोग मुझे हीरो कहते हैं। ऐसी बातें सुनकर मुझे असहज महसूस होता है। मैं न गांधी हूं और न ही कोई हीरो। मैं बस एक आम नागरिक हूं जिसने अपनी जिम्मेदारियां निभाने की कोशिश की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी और में हीरो की तलाश करने के बजाय एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपनी जिंदगी के खुद हीरो बनें।

परीक्षा में कथित गड़बड़ियों की वजह से छात्रों की आत्महत्याओं का जिक्र कर वांगचुक ने लोगों से आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर आप रोज यहां नहीं आ सकते, तब कम से कम एक दिन जंतर-मंतर पर हमारे साथ जुड़ें। यदि आप दिल्ली नहीं आ सकते, तब आप जहां भी हैं, वहीं उपवास रखें और अपना संदेश साझा करें। उन्होंने लोगों से 20 जुलाई को संसद तक होने वाले प्रस्तावित मार्च में शामिल होने की अपनी अपील दोहरा दी। उन्होंने कहा कि लोगों को भूखा रहने की जरूरत नहीं है, वे खाना खाकर आएं, लेकिन एक नागरिक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएं और हमारे साथ जुड़ें।

वांगचुक ने यह भी कहा कि उपवास के शुरुआती दिनों के बाद उनकी भूख स्थिर हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें विरोध स्थल से हटाने की कोई भी कोशिश शांतिपूर्ण विरोध करने के उनके संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन होगी, क्योंकि वे अपनी मर्जी से यहां हैं और उनकी जान को कोई खतरा नहीं है। सीजेपी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

के इस्तीफे और उन छात्रों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग कर रहा है जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षा में गड़बड़ियों के कारण आत्महत्या कर ली। सीजेपी का विरोध प्रदर्शन 20 जून को शुरू हुआ था जबकि सोनम वांगचुक 28 जून को इस आंदोलन में शामिल हुए और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

रेप-मर्डर के आरोपी की भीड़ द्वारा हत्या माव लिंचिंग नहीं : सीएम सुवेंदु

-विपक्ष के नेता ने घटना के पीछे साजिश का जताया संदेह, पुलिस हिंसा और उकसावे के आरोपों की जांच में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में 12 वर्षीय बालिका से कथित दुष्कर्म और हत्या के आरोपी 26 वर्षीय इंद्रजीत मंडल की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा, कि वह इस घटना को लिंचिंग नहीं मानते। उनका दावा है कि भीड़ ने पहले आरोपी की पहचान की और उसके बाद उस पर हमला किया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बालिका के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना से क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया था। इसी दौरान भीड़ ने इंद्रजीत मंडल की पिटाई कर दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव और हिंसा फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों को तैनात करना पड़ा। पत्रकारों से बातचीत में सीएम अधिकारी ने कहा, कि आरोपी की हत्या

सुनियोजित तरीके से कराई गई और इसके पीछे पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस उन लोगों की पहचान कर रही है, जो घटनास्थल पर मौजूद थे, साथ ही उन लोगों की भी जांच की जा रही है, जिन पर दूर से हिंसा भड़काने का संदेह है। सीएम ने दावा किया, कि इस अशांति को ऐसे लोगों ने हवा दी, जिन्हें राजनीतिक रूप से नकार दिया गया है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कट्टरपंथी या अतिवामपंथी तत्व भी इस घटनाक्रम में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ममता के लिए बड़ा झटका : करीबी नेता बागी गुट में शामिल होने को तैयार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में चल रही उथल-पुथल के बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अकेली होती दिख रही हैं। उनके बेहद करीबी और बीरभूम के कद्दावर नेता अनुब्रत मंडल, अब रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल होने को तैयार हैं। शुक्रवार को बागी गुट के विधायकों ने स्वयं इसके स्पष्ट संकेत दिए हैं। निजी होटल में आयोजित बागी गुट की राष्ट्रीय कार्य समिति की दो दिवसीय बैठक के पहले दिन, रितब्रत बनर्जी ने दावा किया कि 4 मई के बाद से उनकी अनुब्रत मंडल से करीब 30 बार बात हो चुकी है। वहीं, एक अन्य बागी विधायक अक्रूज्जमान ने कहा, बस एक दिन और इंतजार कीजिए, सब कुछ साफ हो जाएगा। हालांकि, इस बारे में पूछे जाने पर मंडल ने जवाब देने से इंकार किया। ममता बनर्जी के पुराने और भरोसेमंद सहयोगी रहे मंडल 4 मई को आए चुनावी नतीजों के बाद से ही अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। उनकी खामोशी के बीच, बीरभूम के कई प्रमुख विधायक, जिनमें पूर्व मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा और काजल शेख जैसे बड़े नाम शामिल हैं, पहले ही पाला बदलकर बागी गुट में शामिल हो चुके हैं। कथित गौ-तस्करी मामले में 25 महीने जेल में बिताने और सितंबर 2024 में जमानत पर रिहा होने के बाद, मंडल के शनिवार को आधिकारिक तौर पर रितब्रत कैंप का हिस्सा बनने और उन्हें जिला अध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने की उम्मीद है। इन सियासी हलचलों के बीच, बागी गुट तृणमूल पार्टी के नाम और उसके चुनाव चिह्न (सिंबल) पर अपना दावा ठोकने की पूरी तैयारी कर रहा है। इसके लिए चुनाव आयोग को भेजे जाने वाले जवाब का मसौदा तैयार किया जा रहा है, जो ममता बनर्जी के लिए एक और बड़ा सिरदर्द साबित हो सकता है।

जूनागढ़ में दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

जूनागढ (एजेंसी)। गुजरात के जूनागढ़ जिले में शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा माजेवाड़ी गांव के पास उस समय हुआ, जब बनासकांठा जिले का एक परिवार अपने रिश्तेदार की अस्थियां विसर्जित करने के लिए सोमनाथ जा रहा था। पुलिस के अनुसार कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को वाहन से बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही, तेज रफ्तार या किसी अन्य तकनीकी कारण से हुई। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे परिवार में शोक का माहौल है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर शिवसेना नागपुर में करेगी आंदोलन

मुंबई (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। पार्टी सांसद संजय राउत ने कहा कि मुंबई के बाद अब इस मुद्दे पर 18 जुलाई को नागपुर में बड़ा आंदोलन आयोजित किया जाएगा। संजय राउत ने मीडिया को बताया कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) के अन्य वरिष्ठ नेता नागपुर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और इन्हीं मुद्दों को लेकर पार्टी जनता के बीच आवाज उठाएगी। राउत ने कहा कि मुंबई में आंदोलन शुरू करने के बाद अब उसका दूसरा चरण नागपुर में होगा। उनके अनुसार पार्टी का उद्देश्य कथित वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ जनमत तैयार करना और मामले में पारदर्शी जांच की मांग करना है। शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। पार्टी ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। 18 जुलाई के प्रस्तावित आंदोलन को लेकर पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

शिवकुमार सिर्फ घूम रहे उनका ध्यान किसानों की समस्याओं पर नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलुरु(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर राज्य के जल और सिंचाई संबंधी मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रगति समीक्षा और एसआईआर के नाम पर राज्यभर के दौरे तो कर रहे हैं, लेकिन किसानों और सूखा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शुक्रवार को कुमारस्वामी ने कहा, कि मुख्यमंत्री के हालिया कलबुर्गी, बीदर और बेलगावी दौरों का किसानों, खेतिहर मजदूरों और सूखे से प्रभावित परिवारों को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। उनका आरोप था कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनहित के बजाय राजनीतिक गतिविधियां अधिक दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कृष्णा-गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ो परियोजना पर मुख्यमंत्री के बयान की भी आलोचना की। कुमारस्वामी ने कहा कि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री की टिप्पणियां राज्य के जल हितों और सिंचाई व्यवस्था की पर्याप्त समझ के अभाव को दर्शाती हैं। उनका कहना था कि राज्य सरकार को जल संसाधनों के संरक्षण और किसानों की सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं पर अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए। हालांकि मुख्यमंत्री की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' हो सकता है लागू

-जेपीसी के अध्यक्ष बोले- 99फीसदी लोगों और संगठनों ने किया इसका समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) कोशिश कर रही है कि 2029 के लोकसभा चुनावों तक 'वन नेशन वन इलेक्शन' लागू हो सके। समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी के मुताबिक अब तक चर्चा में शामिल करीब 99फीसदी नागरिक और संगठनों ने इसका समर्थन किया है। समिति ने गोवा के सीएम और कैबिनेट मंत्रियों समेत कई राज्यों के विशेषज्ञों से इस पर सलाह ली है। गोवा दौरे पर गए समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बार-बार चुनाव से छोटे राज्य गोवा पर इतना प्रभाव पड़ता है, तो बड़े राज्यों और पूरे देश पर इसका असर और भी ज्यादा होगा। उन्होंने बताया कि समिति का अगला दौरा लखनऊ का होगा, जहां सीएम, विपक्ष के नेता, राजनीतिक दलों और कई विभागों के अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। जेपीसी 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देकर संसद में पेश करेगी।

वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े पांच सवाल हैं जिनमें लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों के चुनाव अलग-अलग कराने के बजाय एक साथ कराना। जिन राज्यों का कार्यकाल 2029 के बाद भी बचा होगा, उनका क्या होगा? संविधान संशोधन के जरिए उन राज्यों के कार्यकाल को समय से पहले ही समाप्त करके 2029 के चुनावी चक्र के साथ जोड़ा जाएगा। जिनका कार्यकाल 2029 से पहले खत्म हो रहा होगा, उनका क्या होगा? वहां कुछ समय के लिए राष्ट्रपति शासन लग सकता है या फिर केवल 2029 तक के लिए चुनाव संभव। कई अनुच्छेदों में संशोधन करना होगा। संसद में दो-तिहाई बहुमत और आधे राज्यों की मंजूरी चाहिए। अगर बीच में ही कोई सरकार गिर जाए, तो क्या नियम प्रस्तावित हैं? इस नए प्रस्ताव के तहत मध्यावधि चुनाव पूरे पांच साल के लिए नहीं कराए जाएंगे, बल्कि केवल बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराए जाएंगे, ताकि अगला मुख्य चक्र न बिगड़े।

विधायकों के लिए एआई प्रशिक्षण की आवश्यकता: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

गयाजी(एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गया में कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जवाबदेही पर निर्भर होती है। उन्होंने विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही और संसदीय प्रक्रियाओं का अधिकतम उपयोग कर जन समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री चौधरी ने बदलते तकनीकी दौर का उल्लेख करते हुए बिहार विधानसभा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (बिपार्ड) में उन्होंने कहा कि विधायकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने क्षेत्र की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को सदन के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण और कटौती प्रस्ताव जैसे संसदीय उपकरणों को लोकतंत्र में जनता की आवाज को मजबूती देने के प्रभावी माध्यम बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने स्मरण कराया कि करीब 20 वर्ष पहले लोग फेसबुक जैसी तकनीकों से परिचित नहीं थे, लेकिन आज मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया हर घर तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में डिजिटल तकनीक के व्यापक विस्तार की सराहना की, जिसने शासन व्यवस्था और आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में तकनीक का प्रभाव और बढ़ेगा, इसलिए जनप्रतिनिधियों को भी इसके अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा।

सीएम चौधरी ने कहा कि अब दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही है। इसके बाद बिहार विधानसभा में भी एआई पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित होना चाहिए, ताकि विधायक इस नई तकनीक की उपयोगिता को समझ सकें और इसका लाभ शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में मिल सके। उन्होंने दोहराया कि बिहार सरकार उद्योग, सुशासन और निवेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कलंक: नृपेंद्र मिश्रा; राजनीतिक घमासान जारी

-सपा और विहिप के बीच पोस्टर वॉर

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के हालिया मामले पर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने गहरा दुख जताकर एक कलंक बताया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि इस घटना से सभी को खेद है और वे खुद को छोटा महसूस कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि व्यवस्था में सुधार होगा और ऐसी घटनाएं फिर नहीं होंगी।

मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जिसके अध्यक्ष संभवतः एक जज है। यह समिति अपनी सिफारिशें ट्रस्ट को सौंपेगी, जिस पर आगे विचार किया जाएगा। वे रामकथा संग्रहालय में निर्माण समिति की दूसरे दिन की बैठक में भाग लेने पहुंचे थे।

इस बीच, मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के नेता उपेंद्र दत्त शुक्ला ने पोस्टर लगवाए हैं, जिन पर लिखा है-राम नाम जपना, श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया दान अपना और रामचंद्र कह गए सिया से, ऐसा कलयुग आएगा, चोर करेगा मंदिर में चोरी, चौकीदार देखता रह जाएगा।

इसके बाद जवाब में, रायबरेली में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री राहुल सिंह ने सपा पर पलटवार कर पोस्टर लगाए। इन पर प्रश्न उठाया गया-राम मंदिर के चंदे पर सवाल, आतंकवाद के चंदे पर खामोशी? साथ ही यह भी लिखा था कि प्रभु राम हमारी आस्था हैं, राजनीति का हथियार नहीं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने घटना पर अफसोस जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन लोगों ने ऐसा कृत्य किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा और वे जितना ले गए हैं, उससे कहीं ज्यादा चुकाएंगे।

शरद पवार ने की महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में बदलाव की तारीफ

-एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों को अफवाह बताया

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी(एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने सीएम फडणवीस को धन्यवाद भी कहा। शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी चल रही हैं। हालांकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन्हें अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक शरद पवार की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के पक्ष में नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को

मुंबई में विधानभवन में बैठक हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज के दामों में गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी। हालांकि, योजना में शुरू में कुछ ऐसी शर्तें रखी गई थीं, जिनसे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ नहीं मिल पाता।

उन्होंने कहा कि पहले 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमाफी योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए अधिकतम 50 हजार रुपए तक की ही राहत का प्रावधान था। इसके अलावा, नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए 2025-26 और 2026-27 के फसल ऋण का भुगतान करना अनिवार्य किया गया था। शरद पवार ने कहा कि इन दोनों शर्तों के कारण लाखों किसान योजना के दायरे से बाहर हो जाते हैं। उन्होंने सीएम देवेंद्र फडणवीस सरकार का इन शर्तों को वापस लेने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह फैसला राज्य के किसानों की भावनाओं के अनुरूप है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना 10 जून 1999 को शरद पवार, पीए संगमा और तारिक अनवर ने की थी। तीनों नेताओं ने सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाते हुए पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे। कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया। इसके बाद तीनों ने एनसीपी का गठन किया।

भाजपा ने बदला उम्मीदवार, रोहिणी का तीखा तंज... अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रहे

पटना(एजेंसी)। पटना में बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है, जहां नामांकन के अगले ही दिन अपना उम्मीदवार बदल दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने से खाली हुई सीट के लिए पहले घोषित प्रत्याशी अभिषेक सिन्हा ने नाम वापस लेने की घोषणा की है, इसके बाद पार्टी ने नीरज सिन्हा को नया उम्मीदवार बनाया है। इस अप्रत्याशित बदलाव पर राजद नेता और पूर्व सीएम लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाजपा पर तीखा तंज कसते हुए पूछा है कि, जो पार्टी नामांकन खत्म होने के तीन दिन पहले तक अपना दूल्हा तय नहीं कर पा रही, वह क्षेत्र का भविष्य क्या खाक तय करेगी?

अभिषेक सिन्हा ने नाम वापसी के लिए पारिवारिक कारणों का हवाला दिया है, और उन्होंने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष को लिखे पत्र में कार्यकर्ता के तौर पर सेवा करने की बात कही है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, अभिषेक के नामांकन पत्र में परिवार और शिक्षा से संबंधित जानकारी में कथित गड़बड़ियों के चलते भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदला है। पार्टी को आशंका थी कि इन अनियमितताओं के कारण अभिषेक का नामांकन रद्द हो सकता था। वहीं रोहिणी आचार्य ने अंतिम वक्त का बदलाव नहीं, बल्कि चुनावी डर का सबसे बड़ा सबूत बताकर कहा कि यह दिखाता है कि बीजेपी को ये आभास हो गया है कि बांकीपुर में जमीन खिसकने वाली है। इस घटनाक्रम को जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर (पीके) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसे विपक्षी दल चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बना सकते हैं। बांकीपुर सीट पर 30 जुलाई को मतदान होगा और मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित है। नए उम्मीदवार सिन्हा 20 साल से भाजपा से जुड़े हैं और नवीन के करीबी हैं। वह फिलहाल मंडल अध्यक्ष हैं। अभिषेक सिन्हा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया था। गुरुवार को ही राजद प्रत्याशी रेखा गुप्ता ने भी अपना नॉमिनेशन भरा था। नामांकन की प्रक्रिया 13 जुलाई तक चलेगी, और नए भाजपा उम्मीदवार नीरज सिन्हा के साथ-साथ प्रशांत किशोर भी नामांकन के आखिरी दिन अपना पर्चा भरने वाले है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने सिन्हा के परिवारिक कारणों से नाम वापसी और नीरज सिन्हा को नया प्रत्याशी बनाए जाने की पुष्टि की है।

गिरफ्तारी के आधार पर पद छीनना लोकतंत्र के लिए खतरनाक

-30 दिन न्यायिक हिरासत पर पद से हटाने वाले प्रस्तावित प्रावधान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने उठाए सवाल

-संविधान संशोधन विधेयक अभी संयुक्त संसदीय समिति के विचाराधीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक मामलों में लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने पर पद से हटाने के प्रस्तावित संवैधानिक प्रावधान का विरोध करते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि केवल गिरफ्तारी के आधार पर किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को पद से हटाने का प्रावधान लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है।

प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए मसूद ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति को अदालत दोषी नहीं ठहराती, तब तक केवल गिरफ्तारी के आधार पर उसे पद से हटाना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि किसी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाए और इसी आधार पर उसका पद समाप्त हो जाए, तो कानून और न्यायिक प्रक्रिया का महत्व क्या रह जाएगा।

कांग्रेस सांसद ने यह भी पूछा कि क्या ऐसे प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को भी इसी प्रक्रिया का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे कदम अत्यंत सावधानी से उठाए जाने चाहिए और तब तक नहीं अपनाए जाने चाहिए, जब तक सभी अन्य संवैधानिक विकल्प समाप्त न हो जाएं।

गौरतलब है कि संविधान (130वां संशोधन) विधेयक अगस्त 2025 में लोकसभा में पेश किया गया था। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार यदि प्रधानमंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र अथवा राज्य सरकार के किसी मंत्री को किसी गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया जाता है और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन उसे स्वतः पद से हटाने का प्रावधान होगा। वर्तमान में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत किसी जनप्रतिनिधि की अयोग्यता सामान्यतः अदालत द्वारा दोषसिद्धि के बाद लागू होती है। सरकार का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य गिरफ्तारी और दोषसिद्धि के बीच की अवधि के लिए स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाना, जेल से शासन चलाने जैसी परिस्थितियों को रोकना तथा संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखना है। यह विधेयक फिलहाल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विचाराधीन है और अभी कानून नहीं बना है। भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे राजनीति के अपराधीकरण पर अंकुश लगाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने की दिशा में आवश्यक सुधार बताया है। वहीं विपक्ष के कुछ नेताओं ने इसके संभावित दुरुपयोग की आशंका जताई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**